दैनिक

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

वर्ष-10, अंक-210
इन्दौर, रविवार
27 अक्टूबर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ग्रोइंग नेशन और मध्यप्रदेश फ्यूचर रेडी स्टेट बना : मुख्यमंत्री

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ग्रोइंग नेशन बनकर उभरा है और मध्यप्रदेश फ्यूचर रेडी स्टेट बनने की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है।

भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का जो संकल्प प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लिया है, उस संकल्प को पूरा करने में मध्यप्रदेश सकारात्मक भूमिका निभा रहा है। इस दिशा में हमने एक नई पहल करतें हुए उज्जैन से रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की शुरूआत की। प्रदेश में स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन देने और राज्य में बड़ी औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के लिये प्रदेश और देश के बड़े उद्योगपतियों को आमंत्रित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय खनन कॉन्क्लेव का होना प्रदेश के लिये सुखद अनुभूति रही। इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव में विभिन्न 11 औद्योगिक संस्थानों की ओर से 19,650 करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो अभूतपूर्व है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि खनिज एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें अपार आर्थिक संभावनाएँ हैं। खनिज क्षेत्र में रोजगार उत्पन्न करने और देश की इकोनॉमी को तेजी से ऐक्सेलरेट करने की क्षमता भी है। खनिज क्षेत्र में आत्मनिर्भर कर हम विदेशी मुद्रा की भी बड़ी बचत कर सकते हैं। वैश्विक अस्थिरता के दौर में खनन क्षेत्र में बहुत बड़ी ताकत होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में खनिज क्षेत्र में नई क्रांति आई है। भोपाल में हुई खनन

कॉन्क्लेव में खनिज अन्वेषण को गति देना, खनिज प्र-संस्करण, नवीन तकनीकों का उपयोग और पर्यावरण सुरक्षा जैसे विषय पर हुए वैचारिक मंथन से निकला अमृत खनन क्षेत्र में जरूरी नीतिगत सुधारों की पहचान करने और उन्हें लागू करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मध्यप्रदेश में देश की खनिज कैपिटल बनने का भरपूर पोटेंशियल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के प्रमुख खनिज राज्यों में से एक है। देश की कुल खदानों में हमारी भागीदारी 20 प्रतिशत है। प्रदेश मैंगनीज तथा तांबा अयस्क के उत्पादन में देश में प्रथम, रॉक फॉस्फेट के उत्पादन में द्वितीय, चूना पत्थर के उत्पादन में तीसरे एवं कोयला उत्पादन में चौथा स्थान पर हैं। प्रदेश में मलाज़खण्ड की तांबे की खदान भारत की सबसे बड़ी तांबा खदान है। यहाँ से प्रतिदिन 5 से 10 हजार टन तांबा निकाला जाता है। भारत के कुल ताम्र भण्डार का 70 प्रतिशत मध्यप्रदेश में है। मध्यप्रदेश, देश का हीरक प्रदेश भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में खदानों एवं खनन उत्पादों की डिजिटल मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जा रही है। अवैध उत्खनन और परिवहन रोकने के लिए एआई-आधारित आई-चैकगेट लगाने की योजना भी है। मध्यप्रदेश, खनिज ब्लॉक नीलामी के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर पहले नंबर पर है। मध्यप्रदेश में 78 खनिज ब्लॉक सफलतापूर्वक नीलाम किए गये जो देश में सर्वाधिक है। साफ नीयत और पारदर्शी नीतियों से पिछले 5 वर्षों में खनिज राजस्व दोगुना हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इसके पहले प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और प्रदेश के बाहर महानगरों में रोड-शो कर जहाँ एक ओर निवेश की संभावनाओं को बढ़ाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर फरवरी 2025 में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की भूमिका भी तैयार हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम प्रगति के साथ ही प्रकृति का भी ध्यान रख रहे हैं। पेड़, पौधे, नदियां, जीव-जंतु एवं आने वाली पीढ़ियों के कल्याण की भावना हमारी खनन नीतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कार्य प्रणाली ऐसी होना चाहिए जिससे हमारी धरती माता सदैव रत्नगर्भा बनी रहे। हमारे शरीर के विकास में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के साथ ही अन्य मिनिरल्स की महत्वपूर्ण भूमिका है, उसी तरह भारत के विकास में खनिज भी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह हमारा दुर्भाग्य रहा कि आजादी के बाद एक लंबे समय तक हमारी सरकारों ने इस अपार संपदा के समुचित खनन, परिशोधन और प्र-संस्करण के लिये दूरदर्शी नीतियाँ नहीं बनाईं। देश का हृदय प्रदेश होने और मजबूत रेल एवं रोड कनेक्टिविटी के कारण मध्यप्रदेश में खनन करने का मतलब है देश के हर हिस्से तक खनन उत्पादों की सीधी और त्वरित पहुँच। यह एक बहुत बड़ा स्ट्रैटेजिक लोकेशनल एडवांटेज है। संसाधनों की बहुलता, हमारी इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली नीतियों और मजबूत बुनियादी ढाँचे के कारण मध्यप्रदेश में खनन उद्योग में निवेश और विकास की असीमित संभावनाएँ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार की नीयत और नीतियों के कारण प्रदेश में खनन इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है, जिसके परिणामस्वरूप खनन राजस्व पिछले चार वर्षों में 19त्न की वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़ा है। वित्तीय वर्ष 2020 में राजस्व 5 हजार करोड़ रुपए था, जो वर्ष 2024 में लगभग 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुका है। पिछले 5 वर्षों में खनिज क्षेत्र से उत्पन्न राजस्व को दोगुना करने में सफल हुए हैं।

खनिज ब्लॉक नीलामी के मामले में हाल ही में मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। लौह अयस्क, चूना पत्थर और बॉक्साइट खदानों की नीलामी के लिए हमें द्वितीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। ये उपलब्धियां हमारी सरकार की दूरदर्शी, पारदर्शी एवं त्वरित नीतियों का साक्षात प्रमाण है।प्रदेश में खनिजों के परिष्करण, परिशोधन, संवर्धन और संरक्षण के लिए मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है।

सेना का वाहन पलटने से एक सैनिक शहीद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू- कश्मीर के कुलगाम जिले में सेना का वाहन पलट जाने से एक सेना का जवान शहीद हो गया और आठ अन्य घायल हो गये। सेना के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि दुर्घटना कुलगाम के दम्हल हंजिपोरा में शुक्रवार देर रात तब हुई, जब कुछ सैनिक एक अभियान के लिये जा रहे थे। उसी दौरान, उनका वाहन दम्हल हांजीपोरा में फिसलकर पलट गया। इसमें एक सैनिक शहीद हो गया और आठ सैनिक घायल हो गये। घायल सैनिकों को तत्काल अस्पताल भर्ती कराया गया है, जहाँ उनकी हालत स्थिर है। फिलहाल, शहीद सैनिक की पहचान नहीं हो पायी है। श्री नगर स्थित चिनार कोर ने 'एक्स' पर लिखा, 25 अक्टूबर की रात, कुलगाम जिले में एक अभियान के दौरान सेना का वाहन

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव,

कांग्रेस की दूसरी लिस्ट में 23 नाम

पहली लिस्ट में जारी किए थे 48 नाम; AAP का इलेक्शन लड़ने से इनकार

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस मुख्यालय (दिल्ली) में शुक्रवार को केंद्रीय चुनाव समिति (CEC) की बैठक हुई। इसमें अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला भी मौजूद रहे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शनिवार को दूसरी लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में 23 नाम हैं। पहली लिस्ट में कांग्रेस ने 48 नामों का ऐलान किया था। पार्टी अब तक 71 कैंडिडेट्स का ऐलान कर चुकी है। इधर, आम आदमी पार्टी ने शनिवार को महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। हालांकि, अरविंद केजरीवाल MVA के लिए कैंपेनिंग करेंगे।

महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट, राकांपा शरद गुट और कांग्रेस महा विकास अघाड़ी (MVA) गठबंधन में शामिल हैं। 23 अक्टूबर को ही तीनों दलों ने 85-85-85 सीटों पर लड़ने की घोषणा की थी। 18 सीटें I.N.D.I.A. ब्लॉक की अन्य पार्टियों जिनमें समाजवादी पार्टी, SWP और CPI(M), AAP समेत दूसरे दलों को देने की बात कही गई थी। AAP को 1 सीट दी जा रही थी, अब पार्टी ने उस पर भी चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया।

हवाई हमले में आईएस के 4 आतंकवादी ढेर

बगदाद, (एजेंसी)। इराक की राजधानी बगदाद के उत्तर में सलाहुद्दीन प्रांत में हवाई हमले में शुक्रवार को इस्लामिक स्टेट (आईएस) के चार आतंकवादी मारे गए। इराकी सेना ने यह जानकारी दी। ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड से संबद्ध मीडिया आउटलेट (सुरक्षा मीडिया सेल) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार खुफिया रिपोर्टों और चार दिनों की निगरानी के आधार पर, इराकी बलों ने प्रांत के पूर्वी हिस्से में आईएस ठिकाने पर स्थानीय समय अनुसार शाम 5 :50 बजे हवाई हमला किया। बयान में कहा गया है कि हवाई हमले में चार आईएस आतंकवादी मारे गए और उनका ठिकाना नष्ट हो गया। वर्ष 2017 में आईएस की हार के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि, आईएस के अवशेष शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और ऊबड़-खाबड़

ट्रक दोपहिया वाहन पर गिरा, चार मजदूरों की मृत्यु

बड़वानी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के सेंधवा में मिर्च से भरा ट्रक असंतुलित होकर एक दुपहिया वाहन पर गिर जाने के चलते चार मजदूरों की मृत्यु हो गई। कल देर रात की इस घटना के मृतकों में पिता पुत्र भी शामिल है।

सेंधवा शहर थाना पुलिस के मुताबिक पुराने आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक के असंतुलित होकर दुपहिया वाहन पर गिर जाने के चलते चार मजदूरों की मृत्यु हो गई। मजदूर एक ही दुपहिया वाहन पर सवार थे और जिनिंग फैक्ट्री में काम कर घर लौट रहे थे। मृतक

मजदूरों की शिनाखूत बबलू मेहता (17), रिगनिया मेहता (40), उसका पुत्र जितेंद्र मेहता (18) और श्यामलाल मेहता (35) के रूप में हुई है। ये सभी सेंधवा स्थित एक जिनिंग फैक्ट्री में काम कर सालीकला स्थित अपने घर लौट रहे थे। वहीं ट्रक पानसेमल क्षेत्र के दोंदवाड़ा से इंदौर जा रहा था। बताया जा रहा है कि ट्रक पहले एक गाय से टकराया, जिससे वो असंतुलित हो गया।

इजरायल ने दहला दिया ईरान-

सुबह-सुबह 100 फाइटर जेट से तेहरान पर कर दी बमबारी

यरुशलम (एजेंसी)।

इजरायल ने शनिवार को ईरान के मिलिट्री ठिकानों पर हमला बोल दिया। माना जा रहा है कि इजरायल का ये हमला 1 अक्टूबर को ईरान के हमले का जवाब है। इजरायल ने कहा कि 7 अक्टूबर 2023 के बाद से ही ईरान और उसके प्रॉक्सी इजरायल पर लगातार हमले कर रहे हैं। तेल अवीव ने कहा कि किसी भी दूसरे देश की तरह इजरायल के पास भी अपनी संप्रभुता की रक्षा करने का अधिकार है। इजरायल के मिलिट्री प्रवक्ता एडमिरल डेनियल हगारी ने लोगों से सतर्क रहने को कहा है, साथ ही इजरायली सेना ने अपने डिफेंस सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखा है। इससे पहले ईरान ने कहा

था कि उसके देश पर होने वाले किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इजरायल ने शनिवार तड़के ईरान पर भीषण हमला बोला. इजरायली सेना ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि ईरान के सैन्य ठिकानों समेत तेहरान और आसपास के शहरों पर बमबारी की गई है। इजरायल की लोकल मीडिया के अनुसार ईरान पर हमला करने के लिए इजरायली सेना ने 100 से अधिक लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। इजरायल की इस कार्रवाई को ईरान की तरफ से 1 अक्टूबर को किए गए हमलों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

बिहार में 4 लोगों की जिंदा जलकर मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से सटे गुरुग्राम के सरस्वती एंक्लेव में शुक्रवार देर रात एक मकान में हुए भीषण हादसे में बिहार के मोतिहारी जिले के चार युवकों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे का कारण मकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग बताई जा रही है। यह दर्दनाक हादसा सरस्वती एंक्लेव के जी ब्लॉक में हुआ, जहां मकान की पहली मंजिल पर स्थित कमरे में आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि अंदर सो रहे चारों युवक बाहर नहीं निकल सके और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस संबंध में फायर ब्रिगेड और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 1 बजे मकान की पहली मंजिल के कमरे में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग तेजी से पूरे कमरे में फैल गई, जिससे कमरे में मौजूद युवक फंस गए। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं।

टोरंटो में दर्दनाक हादसा

कार में लगी आग से भाई-बहन सहित 4 भारतीय नागरिकों की मौत

टोरंटो, (एजेंसी)। टोरंटो शहर में एक भीषण कार दुर्घटना में चार भारतीय नागरिकों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की हालत स्थिर बताई गई है। मृतकों में गुजरात के गोधरा के एक भाई-बहन भी शामिल थे।

टोरंटो शहर में यह दुखद हादसा तब हुआ जब एक टेस्ला कार, जिसमें सभी पांच लोग सवार थे, अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक खंभे से जा टकराई। टक्कर के बाद इलेक्ट्रिक कार की बैटरी में आग लगी। देखते ही देखते कार में भीषण आग लग गई और उसमें सवार चार लोग आग की चपेट में आकर अपनी जान गंवा बैठे। मृतकों में शामिल भाई-बहन गुजरात के गोधरा शहर के रहने वाले बताए गए हैं। स्थानीय समय के अनुसार रात

12:20 बजे, पांचों लोग एक टेस्ला कार में कहीं जा रहे थे। कार में भाई-बहन के अलावा बोरसद के जय सिसोदिया, दिग्विजय और झलक पटेल भी मौजूद थे। जानकारी के अनुसार, प्रभा रोड स्थित मंगलमूर्ति सोसायटी के निवासी संजय सिंह गोहिल की बेटी केता गोहिल (30) और बेटा नीलराज गोहिल (26) इस हादसे में अपनी जान गंवा बैठे। केता 6 साल पहले पढ़ाई के सिलसिले में कनाडा गई थी और पढ़ाई पूरी करने के बाद एक लैब टेक्नीशियन के रूप में काम कर रही थी। नीलराज हाल ही में, 10 महीने पहले ही, पढ़ाई और नौकरी के सिलसिले में कनाडा गया था। नीलराज ब्राम्पटन शहर में रह रहा था और काम के साथ पढ़ाई भी कर रहा था।

राहुल गांधी पहुंचे सलून, फिर वीडियो शेयर कर आमजन का दर्द किया बयां

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दिल्ली के एक सलून में पहुंचे। यहां उन्होंनें सलून वाले से बातचीत करने के बाद आमजन के दर्द को बयां करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

राहुल गांधी आम लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझने का सिलसिला जारी रखे हुए है। इसी क्रम में राहुल गांधी दिल्ली के एक छोटे से सलून में शुक्रवार को पहुंचे थे। यहां उन्होंने नाई अजीत से बातचीत की, जो पिछले कई सालों से सलून चला रहे हैं और अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के संघर्ष से जूझ रहे हैं। राहुल गांधी ने इस मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किया, जिसमें उनकी और अजीत की बातचीत को देखा जा सकता है। उन्होंने वीडियो शेयर करते

हुए लिखा, कुछ नहीं बचता है, जो आज के भारत में मेहनतकश गरीब और मध्यम वर्गीय लोगों की स्थिति को स्पष्ट करता है। राहुल गांधी से बातचीत के दौरान अजीत ने बताया कि कैसे दिनभर की कड़ी मेहनत के बावजूद, दिन के आखिर में उनके पास कुछ भी बचत नहीं हो पाती है। अजीत ने कहा, पहले सोचा था कि आगे भविष्य हमारा अच्छा होगा, लेकिन यहीं के यहीं रह गए। हम क्या करें, हम दिव्यांग हैं। जिंदगी ऐसे ही कट रही है। बच्चों का भविष्य अधर में है। आपके राज में हम बहुत खुश थे। कांग्रेस के राज में सुकून था। हम जैसे गरीबों को सहारा देने वाला कोई तो था। राहुल गांधी ने अपने संदेश में मेहनतकश आमजन का दर्द बयां करते हुए कहा है कि बढ़ती महंगाई और घटती आमदनी के कारण मेहनतकश लोग अपने छोटे-छोटे सपने, जैसे अपनी दुकान और मकान का सपना, खोते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, कि घटती आमदनी और बढ़ती महंगाई ने हाथ से काम करने वालों से अपनी दुकान, अपना मकान और स्वाभिमान तक के अरमान छीन लिए हैं। इसी के साथ राहुल गांधी ने समस्या को दूर करने के लिए देश में आधुनिक नीतियों और योजनाओं की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि आज की आवश्यकता है कि आमदनी में वृद्धि हो और लोगों के घरों में बचत की भावना पुनः जीवित हो। उन्होंने एक ऐसे समाज की कल्पना की जहां मेहनतकश को उसका हक और उसकी मेहनत का सम्मान मिले। यह वीडियो और इसके माध्यम से दिया गया संदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसे अब तक लाखों लोगों ने देखा और साझा किया है। राहुल गांधी का यह कदम आने वाले चुनावों में कांग्रेस पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश हो सकता है, जिसमें वह गरीब और मध्यम वर्गीय लोगों की समस्याओं को प्रमुख मुद्दा बना सकती है।

कहानी

निर्मला

मगन दादा थे तो मजदूर किस्म के इंसान पर शौक रईसो जैसे थे खैर पुरखे किसी ज़माने राजा महाराजा थे पुरखों का साम्राज्य एशिया महाद्वीप के आखिरी छोर तक फैला हुआ था पुरखे थे चंवर वंश के राजा,जो इक्षाकु और सूर्यवंशी क्षत्रिय समुदाय से थे,जिस वंश को सिकंदर लोदी ने चमार बना दिया हजारों बरसों क़े आक्रमण और उत्पीड़न ने चंवर वंश और उनके साम्राज्य का इतिहास तक मिटा दिया वर्णिक व्यवस्था के सत्तधीशो ने हिन्दू धर्म का पक्ष और वीर इक्षाकु और सूर्यवंशी क्षत्रिय समुदाय के लोगों को मुग़लशासकों को खुश करने के लिए चौथे वर्ण यानि सबसे निचली श्रेणी में शूद्र अछूत बना कर रख दिया था परन्तु चंवर वंश के राजा आज भी ग्राम देवता डिहबाबा के रूप में पूजे जाते हैं लम्बे संघर्ष,जान-माल की भयावह क्षति और लाखों के शहीद होने के बाद देश में आज़ादी का सूर्योदय हुआ सिर्फ अंग्रेजो से,और लोकतंत्र का अभ्युदय तो शानदार हुआ, जो काल के गाल स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया था मगन दादा शौक़ीन मिजाज थे मपान-धूम्रपान के साथ भेड़ा पालने और लड़ाने का भी शौक रखते थे सूर्य सुमन उर्फ़ सूर्या और चंदर सुमन उर्फ़ चंदू बेटों और चार बेटियों -तमन्ना, मंशा चाहत और मन्नत के बाप थे भेड़ा और भतीजे से मगन के लगाव को देखकर कुछ मसखरे किस्म के लोग कहते मगनदादा भेड़ा और भतीजा दोनों से बचकर रहना, दोनों पीछे से करते हैं वे कहते कौन परवाह करता है नेक इरादा रखो सब अच्छा होगा अब तो अपना समाज शिक्षा की जहाज पर चढ़कर तरक्की काआसमान छू सकेगा मेरी तो बस इतनी ख्वाहिश है सारदा कि मेरी दोनों बहुये शिक्षित, संस्कारी,बड़े घर की बेटी हो सारदा कहती-पुरखो की विरासत तो हजारों बरस पहले छिन गई अब तुम दहेज़ की रकम से राजा बनने की ख्वाहिश रखते हो क्या? अरे नहीं रे पगली बड़े घर की बेटी की ख्वाहिश है मोहतरमा सभ्य और संस्कारी परिवार की बेटी जो परिवार को तरक्की की राह दिखाए,घर को मंदिर और अपनी संतनो को उचित शिक्षा देकर परिवार को तरक्की के रास्ते पर ले जाये मेरी यही ख्वाहिश है धनिखा घर की बेटी नहीं चाहिए मगनदादा अपने हसीन सपने के बारे में सारदा से उचक -उचक बतियाते सारदा भी फुले ना समाती सूर्या के बाबू वह दिन जल्दी आने वाला है सूर्या के गौना का समय आ गया है बारहवी का इम्तिहान होने के बाद गौना ला दो तुम्हारे सपनों के अनुसार निर्मला बड़े घर की बेटी है सारदा बोली मोहतरमा यकीन करो, गीता पढ़े लिखे अफसर बाप और पक्की गृहस्थ माँ की बेटी है मोहतरमा आदमी को शिक्षा और अच्छे संस्कार आदमी को बड़ा बनाते है धन नहीं मै जानता हूँ जी पतिपरमेश्वर समझ गयी हूँ सारदा बोली अब तक बुद्धि कहीं मक्खीयों की तरह भनभनाने गई थी क्या? क्यों साठियाये रहे हो मेरे बारे में तुम्हारा यही ख्याल है क्या सारदा गुस्से में बोली अरे नहीं नहीं तुम तो बड़े घर की बेटी हो भले दहेज़ में टोकरी भर आटा लेकर आयी थी अपनी आदत से बाज नहीं आओगे सारदा तरजनी अंगुली दिखाते हुए बोली अंगुली आँख में डाल दोगी क्या मगन बोला ?कैसी बात कर रहे हो ? बड़े घर की एक बेटी को बहू बनाकर लाना है एक खोजना भी तो है सारदा बोली ठहाका लगाते हुए मगन बोले -बहू के आने में देर है दुआ करो निर्मला जल्दी आ जाए सारदा बोली आएगी सूर्या को बीए तो पास करने दो मगन बोले पास हो जायेगा मै चंवरबाबा से आशीर्वाद मानती हूँ सारदा पूछी ? बीए पास सूर्या,कलेक्टर बनने के योग्य हो जायेगा है कोई अपने टोला-महल्ला में बी ए पास अपना तबा बढ़ जायेगा चंदु ने भी बड़े भाई के नक़्शे कदम दौड़ दिया तो अपने अच्छे दिन पीछा करेंगे मगन मूँछ ऐंठते हुए बोले तुम्हारी मूंछ ऐसे ही खड़ी रहे भैंस की हौदी में कोयर डालो दोपहर ढलने के बाद अनमोल महंथ के घर जाना निर्मला के माँ-बाप को गौने का पैगाम भेजवा दो तुम तो पीछे पड़ गयी सूर्या को कॉलेज से आने दो बेटा से बात कर लूँ सारदा ताली बजाते हुए बोली -सूर्या का तीसरी कक्षा में दाखिला हुआ नहीं था तुम्हारी माँ को पोता का ब्याह,स्वर्ग जाने से पहले देखना था वह तो स्वर्ग से भी सब कुछ देख सकती थी पर नहीं अबोध सूर्या का ब्याह करवा दिया अब गौना सूर्या से पूछकर सूर्या कहेगा क्या? समधी जी शहर से गाँव आएंगे तब पैगाम भेज दूंगा उनके पास भी तो बड़ी जिम्मेदारी है बेटी विदा करना है भाई और उनके परिवार के पालक समधी जी ही तो हैं मगन मन ही मन बुदबूढाये तुम्हारे होंठ क्यों फड़फड़ा रहे हैं सारदा चुटकी लेते हुए बोली होंठ तो तो देख रही हो समझ कर अनजान बन रही हो ये फड़फड़ा नहीं कुछ कह रहे हैं तुम समझ कर अनजान बन रही हो मेरी आँख भी फड़क रही है आँख में झाक कर देख ली होती

आँख मेरे लिए नही बड़े घर की बेटी बहूरानी निर्मला के शुभागामन का संकेत है सारदा आँख दबाते हुए मुस्कराई लगता है तुम महंथ के घर भेज कर रहोगी, मगन सारदा की तरफ कनअंखिया देखते हुए मुस्कराये पतिदेव आँख लड़ाने का वक्त नही है महंथ के घर मत जाओ सारदा बोली कहाँ जाऊँ देवी आज्ञा दे कर तो देखो मगन प्यार में उबलते हुए बुढ़ाबूदाये बिस्तर की ओर मत देखो सारदा बोली कहाँ देखूँ देवी मगन कान खुजलाते हुए बोले साईकिल उठाओ गौना का दिन रखने के लिए बड़े बाप की बेटी के गाँव देपालपुर जाओ निर्मला के शुभ चरण इस घर में मई माह तक पड़ जाना चाहिए दिन रख कर घर वापस आना मेरी चेतावनी है सारदा बोली अरे बाप रे किस गुनाह की इतनी बड़ी सजा? जवान बेटे का बाप होने की सारदा बोली बारहवीं में पढ़ रहा है बारहवीं में पढ़ रहा है बाईस साल का हो गया है दस साल की उम्र से स्कूल जाना शुरू किया थी सूर्या के दोस्त का गौना तो जब वह आठवीं कक्षा में था तब ही आ गया था तीस साल में बहू लाना था तो बाल विवाह क्यों किये? बीए पास कर लेने दिए होते सूर्या ठाकुर के बेटवा जैसा साहब बन जाता तब किये होते जल्दी तो तुमको और सासु माँ को थी गलती किये हो तो परिणाम भी भुगतना पड़ेगा किसी बेटी और उसके माँ-बाप को दंड क्यों? हो गई गलती चंदु का ब्याह गौना तुम कर लेना मगन कान पकड़ते हुए बोले अब और बकबक नहीं सारदा बोली जा रहा हूँ आने में देर हो जायेगी देर क्यों होगी समझ गयी समधियाने जाओ बिना कनस्तर खाली किये, बिना मुर्गा की टांग तोड़े तुम तो आओगे नहीं देर से नहीं तुम कल्ह आना अब जाओ टाईम मत खराब करो मारो पैडल और हां चंवर बाबा का आशीर्वाद लेकर जाना सब शुभ और मंगल होगा चंवर बाबा ग्राम देवता, मगन कुछ और बोलते बीच में ही सारदा बोली चंवरबाबा ही ग्राम देवता डिहबाबा है मैं भी जानती हूँ तुम भी सूर्या के बाबू क्यों चिढ़ा रहे हो, समधन जी बुला रही हैं अब जाओ मगन,ग्राम देवता चंवरबाबा अर्थात डिहबाबा के चबूतरे पर माथा नवा कर आशीर्वाद लिए फिर साइकिल पर सवार होकर सीधे समधीयाने देपालपुर गाँव चार घंत बाद पहुँच गये दूसरे दिन गौने का दिन रख कर शाम तक मस्त-मिजाज मगनदादा घर वापस आए सारदा पतिदेव की ख़ुशी से अवगत हो गयी कि गौने का दिन पड़ गया है

मगनदादा मस्ती में चूर, झटपट साइकिल ओसारी की दीवाल से टिका कर, सिमहुँ भैया सिमहुँ भैया चिल्लाने लगे सारदा बोली अरे मुँह मीठा कर लिये होते? अकेले मेरा नहीं और लोगो का भी मुंह मीठा कराओ देखो सिमहुँ भैया गमच्छा लहराते हुए आ रहे हैं कुछ ही मिनट में आधे गांव के मर्द-औरत इकट्ठा हो गए इसी मौके का तो इंतजार था मगन दादा बेटवा सूर्या के गौने के दिन,चार मई का शंखनाद कर दिए अब क्या मगन के दरवाजे पर उत्सवी नजारा खड़ा हो गया पर यह खबर सूर्या के भविष्य के पतझड़ के मौसम का आगाज लग रही थी, उसके आँखों की बरसात थमने का नाम नहीं ले रही थी बाप को अपने शान की चिंता थी, बेटा के भविष्य की नहीं उम्मीदें तो बहुत बड़ी-बड़ी थी मगन दादा को सूर्या से ऐसी उम्मीद थी कि वह पुरखों का लुटा राजपाट वापस छिन लाएगा पांव में बेड़ी डालने की जितनी ख़ुशी मिल रही थी वैसी ख़ुशी उन्हें कोई और नहीं लग रही थी सूर्या के विरोध के बाद भी मगन दादा नहीं माने सूर्या और निर्मला का गौना निर्धारित तिथि को आ गया पूरे गाँव में गौने की मिठाई बाँटी गई गौने के कई दिन बाद सूर्या और निर्मला रात के अँधेरे में शयन कक्ष में एक दूसरे के आमने- सामने पहली बार हुए थे वे एक -दूसरे का मुंह भी नहीं देख पाए थे साफ-साफ पूरी लाज-हया की मोटी चादर में सुहागरात बीती थी समय कहाँ थमता है दिन महीना और साल बीत रहे थे सूर्या बीए पास हो गया माँ बाप का आशीर्वाद लेकर शहर की ओर चल पड़ा बेरोजगारी ख़त्म होने का नाम नहीं ले रही थी नमक से पेट भर रोटी खाने लायक कमाई भी नहीं हो रही गाँव में निर्मला सास-ससुर, देवर-ननद का ख्याल बड़े बूढ़ो की तरह रख रही थी सूर्या की बेरोजगारी के डरावने बादल छंट नहीं रहे थे परिवार में दो सुमन, बिटिया-सुगंधा और बेटा सिद्धार्थ के रूप में खिल चुकी थे इसी बीच चंदू का ब्याह सूर्या के कॉलेज के मित्र मेवालाल ने मित्रता की कसम में बांध कर अपने अमीर मामा की बेटी उर्मिला से करवा दिया ब्याह के तुरंत बाद मालूम पड़ा कि लड़की वाले लड़ाकू-ठग बदमाश किस्म के लोग हैं कहने को तो उर्मिला के बाप -एक भाई बाम्बे में नौकरी करते थे दूसरा बड़ा भाई मास्टर था इसके बाद भी दरिद्रता और अमानुषता जेहन में कूट-कूट कर भरी थी बाराती पेट में भूख लिए वापस हुए थे दूल्हे के परिवार के लोग शादी में मिले पांच स्टील के बर्तन -कॉल बाल्टी, लोटा, गिलास, थाली और एक कटोरी, दुल्हन

सहित छोड़ आये सूर्या का मित्र मेवालाल तो शादी में गया ही नहीं मेवालाल के मामा की बेटी लुभौती बड़े घर के बेटी की जगह मानसिक पिछड़े परिवार की छन्छुदार जैसी गोरी बिल्कुल गँवार निकली बड़े घर का ढिंढोरा पीटने वाला जाहिल-गँवार निकला सूर्या का दोस्त मेवालाल फरेबी निकला मगनदादा ने उर्मिला को ना लाने की कसम खा लिया था, परन्तु निर्मला के अफसर पिताजी मगनदादा के बड़े समधी समधी हरिलाल के हस्तक्षेप से कई बरसों के बाद उर्मिला मगनदादा के परिवार की बहू बन तो गई पर किसी को पसंद न थी निर्मला जेठानी की जगह बड़ी बहन बन गई निर्मला की कोशिशों के बाद उर्मिला पारिवारिक संस्कार के गुर सीख पाई निर्मला तो पहले से अपने छोटे देवर ननदो की देखरेख माँ की तरह कर रही थी अब खचवन गांव के गँवार परिवार की कौआ हंकनी बेटी लुभावती को निर्मला उर्मिला बनायी थी उर्मिला के लिये उसे माँ की भूमिका में आना पड़ा निर्मला का प्रयास पूरी तरह कामयाब रहा गांव के लोग कहने लगे निर्मला भले ही अमीर बाप की बेटी नहीं है पर बड़े घर की गुणवन्ति बेटी तो है जिस उर्मिला को उसके मायके वाले विपत्ति मानकर त्याग दिए थे उसी कौआ हेकनी को निर्मला ने गुणवन्ति बना दिया निर्मला सचमुच बड़े घर की बेटी और मगन के खानदान का भविष्य थी सूर्या के माता- पिता और संस्कारी पत्नी निर्मला की सामूहिक तपस्या सफल हुई, सूर्या के भविष्य का वनवास कट गया सूर्या को एक मल्टीकौआपरेटिव कंपनी में नौकरी मिल गयी गांव की जिम्मेदारी सँभालने लायक उर्मिला हो गयी परन्तु चंदू न तो पढ़ाई में निकल पाया न तो रोजी-रोजगार में बिटिया-सुगंधा और बेटा सिद्धार्थ की स्कूल जाने की उम्र पार होने लगी थी बच्चो की पढ़ाई की फ़िक्र सूर्या को खाये जा रही थी सूर्या की चिंता को देखते हुए सारदा और मगन दादा ने छाती पर पत्थर रखकर बहू निर्मला और पोती-पोता को शहर भेजनें की इजाजत दे दिए इंदूर शहर के स्कूल में सुगंधा और सिद्धार्थ का दाखिला हो गांव से लेकर शहर तक की जिम्मेदारी सूर्या की छाती जोड़-तोड़ कर निर्मला और सूर्या अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी ईमानदारी से जुट गये माता-पिता खुश थे चंदू की छाती छप्पन इंच की हो गई इंदुर में सूर्या तीसरी संतान गौतम का बाप भी बन गया इंदुर शहर सूर्या और उसके परिवार के लिए भाग्य बदलने वाला बन गया निर्मला के प्रयास से उर्मिला पारिवारिक गुन-सहूर तो सीख गई थी परन्तु उसके मायके वालों ने जैसे उर्मिला से रिश्ता-नाता तोड़ लिया था निर्मला इंदुर तो पहुंच गयी थी पर उसकी आत्मा में सास-ससुर बसे थे तीन बरस बाद उर्मिला की गोद में सुलेख खेलने लगा था

गौतम के जन्म के बाद उर्मिला की गोद में मुगधा भी आ गई उर्मिला दो बच्चों की माँ बन गई पर मायके वाले उलट कर नहीं देखे बच्चे के जन्म के बाद निभाई जाने वाली सारी रस्मे निर्मला के भाईयों ने अपने घर से निभाए सगी बहन-बेटी का दर्जा दिए सूर्या जिम्मेदारी बहुत बढ़ गयी थी बूढ़े माँ-बाप भाई चंदू और उसके बाल- बच्चों का खर्चा भी था सुलेख स्कूल जाने की उम्र का हो गया तो चंदू भाई सूर्या के हवाले कर गया मुगधा के जन्म के कुछ साल बाद उर्मिला के अंदरूनी सड रहे अंग का ऑपरेशन इमरजेंसी गाँव के पास टाउन के अस्पताल में हुआ उर्मिला के भाई मास्टर की अंतरात्मा जागी वे बहन उर्मिला को देखने आ गये बतौर सहायता दो हजार उर्मिला के हाथ पर रखकर चले गए महीने भर बाद तगादा के सन्देश किसी न किसी से आने लगे अपने बाप मास्टर जी ने दो हजार वापस लेने के लिए भेज दिया खैर आपरेशन एवं अन्य खर्च की व्यवस्था सूर्या तो कर रखा था संयोग से पैसा घर में था चंदू ने अपने ससुर जी को ससम्मान वापस कर दिया ससुर जी फिर कभी नहीं लौटे, दुनिया से विदा हो हाँ फिर मास्टर साहब पूरे गाँव के साथ सुलेख की शादी में लौटे दारू का गटर बहा दिए थे उनका पूरा परिवार जो आधा गाँव था कि औरतें तोहफे में महंगी महंगी साड़िया और दो दो किलो मिठाई खर्च के नाम चवन्नी भी नहीं सूर्या ने सुलेख को प्रोफेशनल मास्टर डिग्री कोर्स करवाया था और सुलेख के अफसर बनने के तुरंत बाद उसकी शादी कुछ दूर के गाँव के परिवार की बेटी मोहिनी से हो गयी यह शादी पूरी तरह से चंदू और उर्मिला की पसंद से हुई धन तो बड़े भाई सूर्या को ही लुटाना था सुलेख की शादी राजा महराजा जैसी शादी हुई थी जबकि सूर्या ने अपने पुत्र सिद्धार्थ की शादी बिना दहेज़ की और बिल्कुल साधारण तरीके किया था बदले में सिद्धार्थ के ससुर ने रिश्ते की छाती में विश्वासघात का खंजर घुसा दिया था, जो डरावनी और हैरान करने बात थी उर्मिला ने दहेज़ की छोटी बड़ी सभी चीजें अपने लाकअप रख ली थी फाइव सीटर सोफा बैठक से उठवा कर अपने कब्जे में रख ली थी निर्मला को भर आँख देखने तक को न मिली थी

सुलेख की नौकरी लगते है उर्मिला पर मायके का रंग तो चढ़ने लगा था करने को तो उसने बच्चों को दुनिया में लाने के अलावा और कुछ नहीं किया सुलेख की शादी के बाद तो दहेज के फर्नीचर बर्तन-भाड़े दहेज की लाख रूपये को देखते ही घमंड में पगलाने लगी ठीक निर्मला को आँख तरेरने लगी मौके-बेमौके बेइज्जत भी करने का मौका नहीं छोड़ती थी उर्मिला औकात से बाहर जाने लगी अब तो उच्च शिक्षित पतोहू मोहिनी भी सास उर्मिला के साथ बेशर्मी के साथ खड़ी थी दहेज़ की बाढ़ में सूर्या और निर्मला का चंदू और उसके बच्चों के हितार्थ किया गया त्याग भी विसर सा गया था बिटिया मुगधा, पोस्ट ग्रेजुएट को सूर्या और उनके बच्चों के गांव जाने पर दो रोटी ज्यादा बनाने को लेकर खफा हो जाती मुगधा कहती मैं इतना खाना क्यों बनाऊं किसी की नौकारानी हूँ क्या? माँ का रंग तो चढ़ ही रहा था अब भौजाई की संगत मुगधा को बेलगाम कर रही थी इधर निर्मला और सूर्या बड़े मम्मी-पापा बेटी (भतीजी)मगधा की शादी में आ रही अड़चनों को लेकर बहुत चिंतित थे चंदू रात दिन एक कर रहा था, दूल्हा बाजार की महंगाई को देखकर डर लग रहा था कि कहीं मगधा कुंवारी न रह जाये चंदू बड़ी क़ीमत देकर और देने का वादा कर दहेजखोर डाक्टर का संविदा पर दस हजार पर नौकरी करने वाला बेटा दूल्हा बाजार से खरीद लिया मुगधा के ब्याह का दिन भी पड़ गया इधर इंदूर शहर में सूर्या की तबियत ख़राब हो गयी आपातकालीन अवस्था में भर्ती किया गया हार्ट कई प्रॉब्लम थी, लाखों रूपये लग गये मुगधा का ब्याह सिर था, सूर्या अस्पताल में ब्याह में जाना खतरे से खाली न था पर रिस्क लिया गया भी पर गांव पहुंचते ही तबियत बिगड़ बिटिया सुगंधा बाप को हवाई जहाज से लेकर इंदूर पंहुची पुनः इलाज शुरू हुआ,तबियत में सुधार आते ही पुनः सूर्या बेटी की शादी में जिद कर गया और कन्यादान कर बड़े पापा का फर्ज़ निभाया सूर्या की नौकरी प्राइवेट थी, कोई पेंशन तो था नहीं, बीमा का पैसा था जो अस्पताल के खर्च पर पानी की तरह बह रहा था सूर्या के दोनों बेटे -सिद्धार्थ और गौतम, बहन मुगधा के ब्याह में सगे भाई सुलेख से अधिक जिम्मेदारी निभा रहे थे, तन -मन और धन से भी बड़े पापा सूर्या ने बेटी मुगधा की शादी चार-छः लाख स्वाहा कर दिए गृहस्थी का सारा सामान दिए अफसर सुलेख माँ-बाप के इशारे पर लूटा रहा था शादी के बाद पुनः सूर्या की तबियत ख़राब होने लगी मुगधा की विदाई के बाद तो लोमड़ी स्वभाव उर्मिला उग्र प धारण कर लीउर्मिला खुश थी तो मायके की भीड़ से गिद्ध की तरह चर तो रहे थे पर न तो सुलेख की और न तो मुगधा की शादी में एक खर्च किये थे दूसरी तरफ उर्मिला को अपना जीवन लगाने वाले सूर्या - निर्मला और उनके बच्चे फूटी आँख नहीं भा रहे थे जिस निर्मला और सूर्या की दया पर चंदू और उर्मिला का परिवार पला बढा था उन्हीं की खुलेआम सूर्या की खिलाफत कर रही थी सूर्या के जीवन की चिंता उर्मिला को तनिक भी न थी उर्मिला गाँव में ढिंढोरा पीट-पीट कर कह रही थी भाईजी यानि जेठ सूर्या ने न तो सुलेख की और न ही मुगधा की शादी में एकव पैसा दिया सुलेख की शादी दहेज़ की रकम से हुई, मुगधा की शादी बेटवा सुलेख ने अपनी कमाई से किया है सुलेख भी कंधे पर बिठाकर,गोद में पाल बड़ा बनाने वाले बड़े मम्मी-पापा निर्मला और सूर्या की नेकी को भूला दिया उर्मिला के लिए न तो ननदे और नही जेठ सूर्या के परिवार से कोई लगाव था उर्मिला के लिए अब दोनों समधियान और मायके के अलावा और कोई प्यारा नहीं लग रहा था और तो और चंदू ने भी उर्मिला का पल्लू कसकर थाम लिया था इतना ही नहीं मुगधा ने तो शादी के बाद तो बड़े पापा, मम्मी,सुगंधा, सिद्धार्थ और गौतम को तो अपनी यादश्त की डिकशनरी से निकाल कर फेंक दी थी मुगधा की डोली उठते ही सूर्या के लिए मेडिकल इमरजेंसी जैसी स्थिति निर्मित हो निर्मला के आंसू नहीं थम रहे थे बिटिया-सुगंधा और बेटे सिद्धार्थ और गौतम बाप इंदुर शिफ्ट करने के इंतजाम में भागदौड़ कर रहे थे सुलेख इन सब से बेखबर अपनी हवाई जहाज की टिकट बुक कर इंदुर उड़ने की तैयारी कर लिया उर्मिला को तो वैसे ही सूर्या के जीवन की परवाह तो वैसे ही न थी और तो और सुलेख और चंदू जिसके लिए सूर्या भाई नहीं भगवान था वही बेगाना वाह रे वक्त का बदलाव?

वही गांव जहाँ सूर्या पला बढा, जिस गाँव में स्वर्गीय माँ सारदा पिता मगन की अमानत को अनमोल विरासत बना दिया था देखने वाले सूर्या पर गुमान करते सूर्या जैसे बेटा और निर्मला जैसी बहू की कामना करते वही विरासत और वही गाँव अब पहुँच से दूर छूटता नजर आ रहा था शायद लोमड़ी विचार वाली उर्मिला की मन्नत भी यही थी बिटिया-सुगंधा और बेटा सिद्धार्थ गौतम ने फ्लाइट का टिकट लेने में एड़ी चोटी का जोर झोंक दिया,तब जाकर इंतजाम हो पाया वे भाड़े की कार से एअरपोर्ट और फ्लाइट से पिता को लेकर इंदुर एअरपोर्ट से फिर सीधे अस्पताल पहुंचे जहाँ इलाज शुरू हुआ अस्पताल से तो छुट्टी मिल गयी पर दवाई तो आजीवन चलने वाली थी उधर गांव में उर्मिला ख़ुशी में बौरायी पूरे गांव में कूद-कूद कर जेठानी निर्मला और जेठ सूर्या की बुराई कर रही थी जिनकी बदौलत उसका वजूद जिन्दा था,बेटवा अफसर था वह खुद तंदु स्त और जिन्दा थी, जिसका नाम भी उसके माँ-बाप का दिया नाम भी नहीं था वही उर्मिला मतलब निकलते ही बाप तुल्य जेठ और माँ समान जेठानी को बेइज्जत कर रही थी, कोस रही थी अफसर बेटवा पर घमंड कर रही थी रही थी जबकि उसने जन्म देने के अलावा कुछ किया ही नहीं था, करती भी तो मव्वाली के अलावा और क्या बनाती? उसके संस्कार भी तो ऐसे ही कौआ हंकनी के थे मतलबी निर्दयी उर्मिला आज घमंड के आसमान पर उड़ रही थी गांव वाले पूछते उर्मिला तुम्हारे बेटवा को जमीन से आसमान तक किसने पहुँचाया है? तुमने या निर्मला ने खचवन गाँव की बेटी कौआ हंकनी, लुभौती से उर्मिला किसने तुम्हें बनाया, खुद बन गई या निर्मला ने ? गाँव के लोग कहते देवी हैं, घर को मंदिर बनाने वाली है, उसका एहसान तुम और चंदू सात जन्म तक नहीं उतार सकोगे,अपने धरती के भगवान समान जेठानी की नेकी के बदले बुराई कर रही उर्मिला तुम को तो सुबह-शाम निर्मला का पांव पखारना चाहिए था, तुम पागल तो निर्मला जैसी देवी की आबरू उतारने पर तुली हो क्या गुनाह किया? यही न तुम कौआ हंकनी को, हैवान से इंसान बना दी? तुम्हारे परिवार वो ऊंचाई दे कि तुम सपनों में भी न सोच सकती तुम क्या समझो उर्मिला ?पाप कर्म से बचो उर्मिला जेठ-जेठानी का डर-भय नहीं है तो कम से कम चंवर बाबा से डरो उर्मिला, निर्मला बड़े माँ-बाप की बेटी,अच्छे खानदान की अमानत, सास-ससुर का सपना देवी समान,गरीब परिवार को अपनी सूझबूझ से अमीर बनाने वाली है सचमुच बड़े घर की बेटी है निर्मला

नन्दलाल भारती

गजेंद्र मोक्ष और गृहस्थ जीवन

कार्तिक मास भगवान नारायण को समर्पित है। कार्तिक मास में नारायण स्तुति एवं दीपदान का विशेष महत्व है। विष्णु सहस्त्रानम में उल्लेखित है कि जिसके स्मरण मात्र से मनुष्य संसार के जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है, यह वाक्य गजेंद्र मोक्ष कथा में सर्वतः सिद्ध होता है। श्रीमदभागवत कथा के आठवें स्कंद में गजेंद्र मोक्ष की कथा वर्णित है। जिसमें नारायण गज की ह्रदय विदारक स्थिति देखकर उसकी करुण पुकार सुनकर उसकी रक्षा हेतु त्वरित प्रत्यक्ष हो जाते है और गजेंद्र को सहदेह वैकुंठ ले जाते है। साथ ही ग्राह का भी उद्धार करते है। मेरे इस लेख में मैं गजेंद्र मोक्ष की कथा को गृहस्थ जीवन की कथा से जोड़ने का प्रयास कर रही हूँ।

त्रिकुट पर्वत में गजेंद्र नाम का विशाल हाथी सकुटुंब निवास करता था। उसकी अनेकों पत्नियाँ और बच्चे थे। गजेंद्र इतना शक्तिशाली था कि उसकी गंध से सिंह को भी भय लगने लगता था। उसके संरक्षण में सभी निर्दोष प्राणी अपने आप को सुरक्षित अनुभव करते थे। एक समय की बात है ग्रीष्म काल का समय था, वह अपनी पत्नी और बच्चों सहित विचरण को निकला। प्यास लगी और वह अपनी प्यास बुझाने के लिए सरोवर गया। जल पिया और अपने परिवार को भी जल पीने को दिया। चुकी हाथी स्नान प्रेमी होता है अतः गजेंद्र ने स्नान करना और जलक्रीड़ा करना शुरू किया। इस जलक्रीड़ा में सरोवर का जल आंदोलित होने लगा। एक ग्राह उस सरोवर के भीतर रहता था। जल के आंदोलित होने के कारण वह बाहर आया और उसने गजेंद्र का पैर अपने मुख में दबोच लिया। गजेंद्र ने सोचा मेरे पास असीम शक्ति है, भला कोई जलचर मेरा क्या बिगाड़ सकता है, परंतु वह अपना पैर छुड़ाने में असमर्थ रहा। इस विषम परिस्थिति में उसने अपने परिवार से सहयोग माँगा। सभी ने सहयोग किया पर वे उसे बाहर निकालने में असमर्थ रहें और अंत में वे उसे छोडकर चले गए। गजेंद्र और ग्राह में निरंतर युद्ध चलता रहा। युद्ध की अवधि अत्यंत ज्यादा थी। शनेः-शनेः गजेंद्र की शक्ति न्यून होने लगी और जल में रहने के कारण जलचर की शक्ति बढ़ने लगी। अपने समस्त बलों के अभिमान की सच्चाई का ज्ञान गजेंद्र को हुआ और उसे संसार से वैराग्य उत्पन्न हो गया और इस स्थिति में गजेंद्र को गोविंद की याद आई। पशु होकर भी उसे ईश्वर की याद कैसे आई यह प्रश्न विचारणीय है, क्योंकि वह पूर्व जन्म में वह एक राजा था और ईश्वर स्तुति में लीन रहता था। ऋषि से श्रापित होने के कारण उसे गज का शरीर मिला। वह जो स्तुति पूर्व जन्म में करता था, वही स्तुति उसने अंत समय में पीड़ित स्वर में की। उसकी स्तुति के शब्द नारायण के कानों में पड़े और वे अपने भक्त की करुण पुकार सुनकर अविलंब मन की गति से चलने वाले गरुड़ पर विराजमान हो गजेंद्र के समक्ष आ गए। जब गजेंद्र ने शंख, चक्र, गदा, पद्मधारी नारायण को देखा तो वह अपनी पीड़ा को भूल गया। उसने सोचा मैं प्रभु को क्या अर्पित करूँ क्योंकि उसे पता था की वे कमलाकांत है, उनकी पत्नी भी कमला है, उनकी नाभि से भी कमल ही प्रकट हुआ है, उन्हें उपमा भी कमल ही प्रदान की जाती है करकमल, कमलनयन, चरणकमल। अतः उसने सरोवर से कमल का एक पुष्प नारायण को अर्पित किया। कमल से पूर्व वह अपना निर्मल मन नारायण को समर्पित कर चुका था। जब प्रभु गजेंद्र की पुकार पर आए तो वे इतनी शीघ्रता से आए थे कि उनका पीताम्बर आकाश में उड़ रहा था। उन्हें लगा मेरे भक्त की रक्षा में विलंब न हो जाए तो वे गरुड़ पर से उतर गए, सुदर्शन चक्र को आदेश दिया और ग्राह का मस्तक काट दिया। नारायण ने गजेंद्र को पकड़कर बाहर निकाल लिया और भक्तवत्सल नारायण ने गजेंद्र से विलंब से आने के लिए क्षमा भी माँगी।

गजेंद्र मोक्ष गृहस्थ जीवन को निम्न शिक्षाएँ देती है:

1. ईश्वर की प्रतिकूल कृपा को सहर्ष स्वीकार करें: गजराज पूर्व जन्म में राजा था, श्राप के कारण हाथी की योनि में आया। इस प्रतिकूल परिस्थिति के कारण ही उसे नारायण अंत में सहदेह वैकुंठ ले गए, नहीं तो वह अनेकों वर्ष तक तपस्या करता पर सहदेह प्रभु के साथ वैकुंठ की ओर प्रस्थान नहीं कर पाता।

2. शक्ति का अभिमान न करें: कभी भी अपने परिवार, अपनी शक्ति एवं अपने साम्राज्य का अभिमान न करें। अत्यधिक बलशाली होने के एवं इतना बड़ा कुटुंब होने के बाद भी उसकी रक्षा हरि के अलावा कोई नहीं कर पाया। अंत में तो उसके स्वयं की शक्ति भी पूर्णतः क्षीण हो चुकी थी।

3. भगवान की भक्ति में संशय न करें: भक्ति करते समय हमारे मन में संशय की स्थिति प्रकट होती है कि क्या ईश्वर हमारी बात सुनते होंगे, पर गजेंद्र मोक्ष कथा ने तो यह बात सिद्ध कर दी कि नारायण तो पशु की पुकार भी सुन लेते है। सरोवर से उसकी आवाज नारायण को वैकुंठ में सुनाई दी तो फिर प्रभु हमारी बात क्यों नहीं सुनेंगे।

4. भक्ति का परिणाम सदैव सुखद ही होता है: भगवान की भक्ति से मानव का उद्धार निश्चित है। यह बात गीता में भी भगवान ने की है कि मेरे भक्त का कभी पतन नहीं होता। गजेंद्र जो पूर्व में राजा था और प्रभु भक्ति में लग गया तो अगली योनि में निश्चित उसका उद्धार हुआ। अतः ईश्वर की भक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती।

5. भगवान के भक्तों की भक्ति भी कृपा प्रदान करती है: यह अनूठी शिक्षा भी हमें गजेंद्र मोक्ष कथा से मिलती है कि जो व्यक्ति भगवान के भक्तो के चरण पकड़ लेता है भगवान उसका उद्धार पहले करते है, क्योंकि ग्राह का उद्धार तो गजेंद्र से भी पूर्व हुआ।

6. ईश्वर को आपकी निश्चल करुण पुकार चाहिए: कहते है कि यह युद्ध कई वर्षों तक चला पर भगवान अपने भक्त की रक्षा करने अंत में क्यों आए क्योंकि गजेंद्र को पहले स्वयं पर अभिमान था फिर अपने कुटुंब पर। सारी स्थितियों से अंत में उसे वैराग्य हो गया और तब उसने अपनी करुण पुकार से ईश्वर का स्मरण किया। अतः ईश्वर अपने भक्त का निर्मल मन एवं करुण पुकार ही चाहते है।

7. विपत्ति रूपी काल कभी भी प्रत्यक्ष हो सकता है: जलक्रीड़ा एवं स्नान में आनंद लेने वाले गजेंद्र को कब काल रूपी ग्राह पकड़ लेता है एवं भीतर ले जाता है यह उसे पता ही नहीं चलता, अर्थात हमारा जीवन भी अनिश्चित है। कब काल हमारे सामने प्रत्यक्ष हो जाए कुछ ज्ञात नहीं। अतः समय व्यर्थ न करें। मनुष्य योनि ही ईश्वर प्राप्ति का साधन है, दुनिया के विश्लेषण एवं व्यर्थ चर्चाओं में समय न व्यर्थ करें।

8. विपत्ति में कोई सहायक नहीं होता: सारी दुनिया सिर्फ युद्ध या लड़ाई का तमाशा ही देखती है। पीड़ा में गजेंद्र का परिवार भी उसे छोडकर चला गया था। सारे देवता भी इस युद्ध को देखते रहे पर कोई गजेंद्र को बचाने नहीं आया। अंत में केवल भक्तवत्सल नारायण ने अपनी भक्तवत्सलता दिखाई। यहाँ पर भगवान ने हमें एक बात और सिखाई है कि यदि हम हरि की शरणागत हो जाए तो हमें निश्चित ही मुक्ति मिलेगी। हम सभी संसार के माया रूपी चक्र में उलझे हुए है। समय की धुरी तो अविराम गति से घूम रही है। सांसरिक मायाजाल की उलझन में इच्छाएँ समाप्त नहीं हो रही है। जीवन प्रतिक्षण क्षय हो रहा है, पर हममे होड़ लगी है आगे निकलने की। जीवन में आनंद सर्वथा विलुप्त सा हो गया है। कलयुग तो केवल नाम आधारित है इसलिए अपनी नित्य क्रियाओं के बीच भी ईश्वर का स्मरण सदैव करते रहना चाहिए। गजेंद्र मोक्ष स्तुति प्रभु के प्रति अविश्वास के समस्त संशयों को दूर करती है और ईश्वरीय विश्वास के प्रति दृढ़ता प्रदान करती है।

डॉ. रीना रवि मालपानी

एक शाम रफी साहब के नाम

इंदौर। शहर में रफी सा. के दिवानों में एक नाम आता है शशिकांत शिंदे का जी कि शिंदे म्यूजिकल ग्रुप के निर्देशक है आपने रफी साहब की याद में कार्यक्रम का आयोजन रोबोट चौराहा फनी म्यूजिकल ग्रुपर्क स्टूडियो में शानदार तरीके से किया, जिसमें शिंदे जी ने ओ दुनिया की रखवाले, कौन है जो सपनो में आया, इक न इकदिन ये कहानी बनेगी- आने से उसके आये बहार जैसे कई एक से बढ़कर कालजयी गीतों की प्रस्तुती दी. साथ ही श्री आरएन बोरासी- चंदर सिंह परमार, नरेन्द्र कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियाँ दी ऐकरींग में शहर के मशहूर एंकर गोवींद दुबे ने कार्यक्रम की बहुत ही शानदार तरीके से शब्दों की लड़ीयों में पिरोकर पेश किया।

वरिष्ठ सदस्य श्री ठाकुर का सम्मान किया

इंदौर। सहकारी कार्य संस्था शिक्षा विभाग (शिक्षक पेढ़ी) के 84 वर्षीय वरिष्ठ सदस्य श्री नारायण सिंह ठाकुर को संस्था के नियमानुसार जीवित काल राशि का चेक, स्मृति चिह्न, शाल एवं श्रीफल संस्था के वरिष्ठ संचालक श्री भगवतीप्रसाद पंडित एवं वरिष्ठ सदस्य श्री देवी सिंह बारूपाल ने प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था के प्रबंधक प्रमोद मिश्रा, लेखपाल श्रीमती नेहा करंदीकर, विक्रांत शर्मा, संजय श्रीवास्तव, तपन वर्मा प्राची सिंगर आदि समस्त कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। सभी ने ठाकुर साहब का अभिनन्दन कर सम्मान किया।

लोकतंत्र सेनानी संघ इंदौर द्वारा कार्यक्रम आयोजित

इंदौर। लोकतंत्र सेनानी संघ इंदौर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद कैलाश सोनी, सांसद सत्यनारायण जटिया, विशेष चर्चा में, समाज और अन्य विषय पर चर्चा करते हुए मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार मेवाड़ा समाज जगदीश मंदिर अध्यक्ष योगेंद्र सोनी द्वारा सामाजिक राजनीति पर कई पहलुओं,पर चर्चा की अध्यक्ष योगेंद्र सोनी उज्जैन आष्टा नागदा में विशेष रूप से भगवान अजमीढ़ जी के जल उत्सव में अपनी टीम के साथ पहुंचे। सांसद कैलाश सोनी, उज्जैन सांसद सतनारायण जटिया ने अपने स्वागत में अध्यक्ष योगेंद्र सोनी की तारीफ करते हुए कहा कि आपकी समाज सेवा, राजनीति गतिविधि तारीफें काबिल है, सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि आप जैसे लोगों के मार्गदर्शन में ही समाज को आगे बढ़ाने विशेष योगदान रहता है।

पैथोलॉजी लैब और कलेक्शन सेंटर के संचालन में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करें

इंदौर। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग संदीप यादव ने निर्देश दिए हैं कि निजी पैथोलॉजी लैब का संचालन केवल योग्यताधारी पैथोलॉजिस्ट द्वारा ही सुनिश्चित किया जाए, जो मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1987 की धारा 13 और 24 के तहत आवश्यक अर्हताओं को पूर्ण करते हों। कोई भी निजी प्रयोगशाला केवल तकनीशियन द्वारा संचालित नहीं की जा सकती।

प्रयोगशाला तकनीशियन केवल उसी लैब में कार्य कर सकते हैं जो योग्यताधारी पैथोलॉजिस्ट द्वारा संचालित अथवा पर्यवेक्षित हो। प्रमुख सचिव यादव ने प्रदेश के निजी पैथोलॉजी लैब और कलेक्शन सेंटर के संचालन में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। ताकि आमजन को समुचित एवं गुणवत्तापूर्ण जांच रिपोर्ट उपलब्ध हों। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य यादव ने निर्देश दिये हैं कि प्रदेश के सभी निजी पैथोलॉजिस्ट को 15 दिनों के भीतर उन पैथोलॉजी लैब्स की सूची और अपने उपस्थिति समय की जानकारी, जिसमें वे सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, अपने जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रस्तुत करनी होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे समय-समय पर इन लैब्स का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि इनका संचालन योग्यताधारी पैथोलॉजिस्ट की निगरानी में हो रहा है। साथ ही, लैब्स में आवश्यक नैदानिक सेवाओं के उपकरण और अनुमतियाँ मौजूद हों।

उल्लेखनीय है कि योग्यताधारी निजी पैथोलॉजिस्ट यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी जांचें उनकी सीधी निगरानी में हो रही हैं, केवल एक अतिरिक्त लैब में सेवाएं दे सकते हैं। ऐसे पैथोलॉजिस्ट, जो स्वयं की प्रयोगशाला नहीं चलाते हैं, वे जिले में अधिकतम दो लैब में ही विजिटिंग पैथोलॉजिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

इन्दौर की बढ़ती आबादी रोकने एवं आसपास के क्षेत्रों के विकास की जरूरत

इन्दौर। पानी के बगैर विकास बेमानी है, अत: पानी का संवर्धन और संरक्षण जरूरी है। समीपस्थ क्षेत्रों को इन्दोर में जोड़कर विकास की क्षेत्रीय योजना जल संवेदी बनाना जरूरी है। स्थानीय जल स्रोतों का संरक्षण एवं नर्मदा के महंगे पानी का विवेकपूर्ण प्रबंधन अनिवार्य है। ऐसी स्थिति में हमें पानी की फिजूल खर्ची कम करने ,पानी बचाने, कम पानी में अपनी आवश्यकता पूरी करने, जैसी आदतें डालना होगी।

रीजनल डेवलपमेंट प्लान को जल संवेदी बनाना जरूरी

इंदौर में जल प्रबंधन को लेकर बुध्दिजिवियो ने चिंता जताई

वहीं पानी के प्रबंधन के लिए उपलब्ध पानी का सदुपयोग, बारिश के पानी को सहेजना तथा उपयोग के पश्चात शुद्धिकरण के बाद पुनः उपयोग करने के कामों को गंभीरता पूर्वक अपनाना पड़ेगा तथा अगली पीढ़ी के लिए जल उपलब्धता पर भी अभी से चिंता करना होगी।

उक्त बातें जल प्रबंधन के विभिन्न विशेषज्ञ वक्ताओं ने डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा एसजीएसआईटीएस में जल प्रबंधन पर आयोजित कार्यशाला में व्यक्त की।

एसजीएसआईटीएस के डायरेक्टर संदीप नारूलकर ने कहा कि सरकार की योजनाओं तथा अपेक्षा से भी ज्यादा तेजी से इंदौर शहर की जनसंख्या बढ़ रही है अतः जल प्रबंधन ,संवर्धन के लिए बहुत गंभीरता पूर्वक चिंतन और अध्ययन की जरूरत है, हमें सर्वे कर निश्चित करना होगा कि पानी की उपलब्धता कितनी है ,आवश्यकता कितनी है, वितरण की व्यवस्था तथा दुरुपयोग रोकने एवं कम खर्चे में पानी की आवश्यकता पूरी कैसे करें ,यह नागरिकों को समझना और समझाना पड़ेगा ।पानी के प्रबंधन को लेकर श्वेत पत्र सर्वोच्च प्राथमिकता पर तैयार करना होगा।

पीएचसी के पूर्व मुख्य अभियंता श्री सुधीर सक्सेना ने कहा कि शहर में तेजी से बढ़ रही जनसंख्या को देखते हुए प्रस्तावित रीजनल मेट्रोपॉलिटिन की योजना के पहले जल संसाधनों का बेस लाईन सर्वे किया जावे।

भविष्य की,सभी तरह की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ,वर्तमान में उपलब्ध पेयजल , परंपरागत जल स्रोत ,ड्रेनेज सिस्टम तथा अन्य चीजें कितनी उपलब्ध है तथा भविष्य में कितनी आवश्यकता होगी इसकाआकलन किया जावे। इंदौर के आसपास के गांवों तथा छोटे शहरों में ,वर्तमान में पेयजल की व्यवस्था, सफाई, डेर्नेज आदि की व्यवस्था का गंभीरता पूर्वक सर्वे के उपरान्त ही नई प्लानिंग करें ।

श्री सक्सेना ने कहा कि रीजनल प्लान में अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग हब जैसे शिक्षा ,स्वास्थ्य ,चिकित्सा ,उद्योग ,ऑटोमोबाइल्स, फूड प्रोसेसिंग ,ट्रांसपोर्ट आदि के हब बनाने की योजना बनाते वक्त पानी की आवश्यकता ,उपलब्धता ,

ड्रेनेज, वितरण जैसे कार्यों की प्लानिंग भी की जाए। जितना पानी उपलब्ध है उससे कैसे काम चलाया जाए ,मांग कैसे कम की जाए ,इस पर चिंतन जरूरी है। हमें रीजनल प्लान बनाने से पहले ,प्लानिंग एरिया कितना है ,आबादी कितनी है ,भविष्य की इंदौर की आबादी क्या होगी इसका गहराई से अध्ययन करना होगा। आसपास के क्षेत्रों के विकास पर भी ध्यान देने की जरूरत है ।

जल विशेषज्ञ डॉ सुधीन्द्र मोहन शर्मा ने कहा कि भू जल संवर्धन की वृहत् शहरी योजना बहुत जरूरी है ।पानी की मॉनिटरिंग, वितरण, भू-जल पर चिंतन ,बारिश के पानी को सहेजना तथा पानी का शुद्धिकरण पश्चात पुनः उपयोग बढ़ाना होगा, शहर के बाहरी क्षेत्रों में भूजल स्तर बढ़ाने की कार्य योजना, वाटर मैनेजमेंट बोर्ड ,शुद्धिकरण जैसी वृहद योजनाओं की जरूरत है ।

डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से पूर्व सिटी इंजीनियर जगदीश डगांवकर ने विषय प्रस्तावना करते हुए कहा कि आगामी समय में महू ,पीथमपुर, धार ,देवास, उज्जैन जैसे क्षेत्रों को मिलाकर रीजनल मेट्रोपॉलिटन प्लान बनाना विचाराधीन है। पहले के अनुभव गलत साबित हुए हैं, हमने पहले विकास किया पश्चात पानी की चिंता की है ,जिससे सीवरेज सिस्टम गड़बड़ा गई है ,थोड़ी सी बारिश में जल जमा होकर शहर अस्त व्यस्त हो जाता है, अतः आने वाले समय में जनसंख्या, आवश्यकता एवं उपलब्धता सभी को ध्यान में रखते हुए योजना बनाएं।

नर्मदा कंट्रोल अथॉरिटी के पूर्व निदेशक मुकेश चौहान ने कहा कि पहले इंदौर में स्थानीय स्तर पर कुएं, बावड़ी आदि से काम चल जाता था ,बाद में बिलावली ,यशवंत सागर जैसे तालाब बनाए और अब नर्मदा के तीन चरणों के बाद भी आधी आबादी को पानी उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं।विकास की बड़ी योजनाओं साथ बड़ी अपेक्षाएं आती हैं।नर्मदा जल पर दीर्घकालिक आश्रय की अपनी चुनौतियां हैं अतः प्लानिंग माडल का विकेंद्रीकरण बेहतर विकल्प है।

परिचर्चा में पूर्व कलेक्टर सी बी सिंह, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की पूर्व कुलपति डॉ निशा दुबे, इंजी अतुल सेठ, पीएचसी के पूर्व मुख्य अभियंता कोमल प्रसाद ,पर्यावरण विद् डॉ ओपी जोशी ,मेघा बर्वे ,फादर पायस ,अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता आ ने भी संबोधित किया ।

प्रारंभ में श्री सी बी सिंह तथा डेवलपमेंट फाउंडेशन के न्यासी आलोक खरे ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर सर्वश्री शफी शेख़,प्रणिता दीक्षित, दिलीप कनाडे ,प्राची परिहार आदि भी उपस्थित थे ।

कार्यक्रम का संचालन श्याम पांडे ने तथा अंत में आलोक खरे ने आभार व्यक्त किया।

आत्मनिर्भर दिवाली धमाका मेला 2024 का सफल समापन

इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ़आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर में आयोजित दो दिवसीय आत्मनिर्भर दिवाली धमाका मेला 2024 का सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। मेले का शुभारंभ साक्षी निकाय के अध्यक्ष श्री अरविंद जी गुप्ता एवं सचिव श्री महेश जी चिमनानी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्री अरविंद जी गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रेरणा देने का कार्य करते है एवं यह उद्यमी मेला आत्मनिर्भरता विकास की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

सचिव महेशजी चिमनानी ने कहा कि, यह आयोजन आज पुष्प नक्षत्र के अवसर पर किया जा रहा है जो एक शुभ संकेत है। इससे छात्रों को व्यावसायिक अनुभव एवं हमारी भारतीय संस्कृति से परिचय करने का सुखद अवसर प्राप्त होगा। संस्था के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी जी ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास हेतु उनका उत्साह वर्धन किया। इस दिवाली फन फेयर में विद्यार्थीयो द्वारा साजसज्जा, रंगोली, केंडल, मां लक्ष्मी छापे एवं फूड स्टॉल जिसमे इंदौरी भेल, पानीपुरी, दही चंदिया, चॉकलेट, बेकरी आइटम कॉस्टड आदि की स्टॉल लगाए। मंच पर गायन प्रतियोगिता भी हुई साथ ही रंगोली, मांडना एवं मधुबनी पेंटिग की प्रदर्शनी भी मेले में आकर्षण का केंद्र रही। मेले के समापन पर उप सचिव श्री शम्मी कपूर जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार प्रो विभोर ऐरन, डॉ विकास बक्षी,डॉ राकेश उपाध्याय रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. वंदना मिश्र और डॉ अलका कछावा थी। मंच संचालन डॉ अंजु अग्रवाल एवं डॉ गायत्री पलोड द्वारा किया गया। आभार डॉ.ललित चौहान द्वारा माना गया।

दिवाली से पहले दोगुना हुआ मुद्रा लोन

अब बिना गारंटी के मिलेंगे 20 लाख रुपए

इंदौर। दिवाली से पहले सरकार ने मुद्रा योजना के तहत लोन सीमा बढ़ा दी है। सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत लोन की सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया है, जिसका उद्देश्य छोटे उद्यमियों को मदद करना है। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को केंद्रीय बजट में इस वृद्धि की घोषणा की थी।

यह कदम नए उद्यमियों को अपने उद्योगों का विस्तार करने में सहायक साबित होगा। अधिसूचना के अनुसार तरुण प्लस श्रेणी के तहत 10 लाख रुपए से अधिक और 20 लाख रुपए तक के लोन उन उद्यमियों को उपलब्ध होंगे जिन्होंने पहले का लोन सफलतापूर्वक चुका दिया है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को हुई थी। इस योजना का उद्देश्य गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों को बिना गारंटी के 10 लाख रुपए तक का लोन प्रदान करना है। बैंक इस योजना के तहत तीन श्रेणियों में लोन देते हैं- शिशु- 50,000 रुपए तक, किशोर- 50,000 रुपए से 5 लाख रुपए तक और तरुण- 10 लाख रुपए तक (अब 20 लाख रुपए)। इसके ?लिए पात्रता- उद्यमी भारत का नागरिक होना चाहिए, उम्र 18 साल से अधिक होनी चाहिए, बैंक डिफॉल्ट हिस्ट्री नहीं होनी चाहिए। कॉरपोरेट संस्थाएं इस योजना के अंतर्गत मान्य नहीं हैं।

आएगा,आएगा,आएगा...आने वाला

इंदौर(डॉ जावेद अहमद ख़ान)। जक्षा उत्कर्ष संगीत संस्था मराठी समाज इंदूर संग मिलकर वर्षों से संगीत कार्यक्रम आयोजित करती है,जिसे छायागीत नाम और क्रम दिया जाता है ।आगामी छायागीत 81वा जो 27 ऑक्टोबर को आयोजित होगा ।संस्था वर्षों से मो.रफ़ी अवॉर्ड अब तक बीस और कुछ समय से लतामंगेशकर अवॉर्ड दे रही है तीसरा अवॉर्ड शहर की ख्यातनाम गायिका सौ.सपना भाटे केकरे को देने की घोषणा की गयी है।

उत्कर्ष एक मात्र ऐसी संस्था रही है जो अपने सदस्यों के लिए 31 जुलाई के अलावा कई सुरुचिपूर्ण कॉन्सेप्ट कार्यक्रम आयोजित करती है।जिसमें अकॉस्टिक वाद्यो के अलावा बुलबुल तरंग(जापानी बैंजो) संग नगण्य इलैक्ट्रोनिक वाद्यो का इस्तेमाल किया जाता है,संस्था के प्रमुख श्री प्रकाश खानवलकर के संगीत संयोजन में बहुधा श्रीमती मेघमाला खानवलकर का संचालन होता है राग आधारित गीतों को तरजीह देते हुए क़व्वाली समयबद्ध कार्यक्रम और राष्ट्रगान के अलावा लंबे समय से संस्था से जुड़े माननीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विशिष्ठ आतिथ्य में दिया जाएगा देखने में आया है केवल संस्था ही अपने कार्यक्रम और सदस्यों के बूते माई मंगेशकर हाल को पूरा हाउसफुल कराने का दम रखती है।

इंदौर में संगीत जानने समझने वालों के लिए सपना केकरे का नाम किसी परिचय का मोहताज नही है।शहर के सांगीतिक चरित्र और स्वभाव को जीती सपना केकरे स्कूली फुलवारी से निकल प्रदेश और देश में अपने कॉलेज की संगीत स्पर्धाओं में शहर का नाम रोशन करना शुरू कर दिया था।

सात वर्ष की उम्र से पंडित माधवराव जोशी से शास्त्रीय संगीत की शिक्षा प्रारम्भ हुई जो विदुषी डॉक्टर नीलिमा छापेकर एवं पंडित स्वतंत्र कुमार ओझा के सानिध्य में और निखरी कई शिष्यों को जिनमें कई सर्जन, डॉक्टर, इंजीनियर, रिटायर्ड अधिकारी और गृहणियों तक को संगीत की बारीकियां सिखा मंच देने वाली सपना संगीत में एम् ए, एम् फिल यूनिवर्सिटी में टॉपर रही। ये तालीम याफ़्ता गायिका खुद आजतक संगीत सीखने का सिलसिला अब तक जारी रखे है। अपने सीखने वालों के लिए संस्था स्वर निनाद का बाक़ायदा नया मंच तैयार कर रखा है ।

ज़ौनल व नेशनल यूथ फ़ेस्टिवल में विश्विद्यालय का प्रतिनिधित्व ज़ी टीवी के टॉप रेटिंग पॉपुलर शो सारेगामा, अन्ताक्षरी की विनर रह चुकी है सारेगामा अंत्याक्षरी के अलावा मुंबई, वाराणसी, जबलपुर, नागपुर, अमरावती, कुरूक्षेत्र, कोट्टायम-केरल आदि शहरों में किया और सिल्वर व गोल्ड मैडल हासिल किये।भारतीय विश्वविद्यालयिन संघ द्वारा आयोजित म्यूजिक एंड डांस फ़ैस्टिवल में सम्पूर्ण भारत से चयनित होकर कुल्लू मनाली में संगीत प्रस्तुतियां दी 7 सपना ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन की बी हाई ग्रेड कलाकार है अम्बिकापुर, भागलपुर, जगदलपुर, जोधपुर शहरों में सपना ने आकाशवाणी कॉन्सर्टस में भी प्रस्तुतियां दी है। अभी हाल ही में लंदन का सफ़ल दौरा करके लौटी हैं।

सन 2010 में सपना ने संस्था स्वरदा की स्थापना की जो आज इंदौर शहर की जानी मानी संस्था है ..एकला चालो रे के सिद्धांत पर चलते हुए भी सपना ने कई कलाकारों को मंच पर आने का मौका दिया जिनमें न सिर्फ़ गायन बल्कि साहित्य, मीडिया और नाटकों तक के कलाकारों को अपने बैनर तले मौका दे मंच संचालन की एक नयी पौध तैय्यार कर दी। अपने सीखने वालों के लिए बाक़ायदा संस्रोथा कोरोना काल एवं लॉक डाउन के समय कलाकारों की हर संभव वे मदद के लिए हमेशा तत्पर रही है कलाकारों के पारिवारिक परिदृश्य में भी उनकी सह्रदयता की बातें होती हैं।

एक ऐसी कलाकार जिसे शहर में जब उसकी ज़रूरत हो याद किया जाता है और वो बिला तकल्लुफ़ उन्हें दस्तयाब हो जाती हैं।के फॉर किशोर फैम रॉक सिंगर चिंतन बाकीवाला का शो हो या इंदौर का ग्रैंड रैज़ल-डैज़ल देव जोशी का ज़ीनत अमान लाइव शो या इसके अलावा किसी समूह/व्यक्ति कैलाश कलिंकर अभिनव कला समाज के अग्निहोत्री परिवार के सदस्यों संग ग़ज़ल या संगीत के कार्यक्रम या संस्था उत्कर्ष में भी कई प्रस्तुतियां।कई संगीतकारों जैसे ख़य्याम, चित्रगुप्त, सचिनदेव बर्मन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, राहुलदेव बर्मन, शंकर जयकिशन जैसे संगीतकारों के काम को अपनी गायकी से नुमायां करने वाली सपना कुछ पारिवारिक कारणों से संगीतकार मदनमोहन को जिस शिद्दत से याद करती हैं कि न सिर्फ़ उनकी वेबसाइट बल्कि उनके परिवार तक से उनकी रसाई हैं। सोनू निगम, गीतकार इंदीवर, सोनिक ओमी, हृदयनाथ मंगेशकर, रवि दाते, सुरेश वाडकर जैसी हस्तियों ने सपना के गायन को खूब सराहा है । इंदौर में प्रसिद्ध वरिष्ठ मराठी संगीतकार राम कदम के सुपुत्र विजय कदम के संग इंदौर के टाउनहॉल/गाँधी में शरदपूर्णिमा पर उनका यादगार कंसर्ट लोगों के ज़ेहन में आज भी महफूज़ है।

संगीत समीक्षक और समग्र लता जैसे ग्रंथ के रचयिता अजातशत्रु उनमें लता ही कि आवाज़ की ग़म्माज़ी सुनते है,इंदौर के ही एक और संगीत समीक्षक कहते हैं साठ के दशक की लतागायन सपना की अदायगी को हूबहू मानते हैं। लता दीनानाथ मंगेशकर ग्रामोफ़ोन रेकॉर्ड संग्रहालय के सुमन चौरसिया लगातार उन्हीं संग सालों से लता जन्मदिवस मनाते रहें हैं जिसके लिए आभार और शुभकामनांए फ़ोन पर लगातार स्वयं लता जी से मिलती रहीं हैं। लता के नाम से इस अवॉर्ड के लिए इंदौरी लता को उनके सारे चाहने वाले सोशल मीडिया पर दिल से बधाई और शुभकामनांए प्रेषित कर रहें हैं। उनका कहना बिल्कुल सच साबित हो रहा है कि - संगीत बेचैन रूह को तसल्ली बख्शने का काम करता है वक्त के साथ ज़माना और इंसान बदलते रहे मगर संगीत का जादू बरकरार रहता है।

आने वाले वर्षों में उनके कई नए उपक्रम संगीत के क्षेत्र में उनके नाम और काम को दमकाएंगें कभी बशीर बद्र ने कहा था /गले में उसके खुदा की अजीब बरकत है/ वो बोलता है तो इक रोशनी सी होती है ...।

26 सुसनेर 3 बाजार में आर्टीफिशल वस्तुओं से तरह सजाई गई है दुकाने

जनपद उपाध्यक्ष व सदस्यों ने की सीईओ की शिकायत, राशि को लेकर गलत जानकारी का लगाया आरोप

सुसनेर, राष्ट्रीय जनभावना। नगर परिषद के बाद स्थानीय जनपद पंचायत में भी सीईओ और जनपद उपाध्यक्ष तथा सदस्यों के बीच सामजंस्य नही बैठ पा रहा है। जनपद उपाध्यक्ष बाबूलाल यादव समेत कई अन्य सदस्यों ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश शाक्य की जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कोर से लिखित शिकायत करते हुएं जनपद की राशि को लेकर गलत जानकारी दिये जाने का आरोप लगाया है।

इससे पूर्व में जनपद अध्यक्ष श्रीमति पिंकी राजपालसिंह कलारिया और सीईओ के बीच भी छोटे-छोटे विवाद हो चुके है। हालाकि ये विवाद स्थानीय स्तर पर ही सुलझ गए थे। लेकिन अब जनपद उपाध्यक्ष बाबूलाल यादव ने जनपद के सदस्य सारदाबाई सुजानसिंह तोमर के साथ मिलकर के सीईओ की जिला पंचायत सीईओ से लिखित शिकायत की है। जिसमें बताया गया है की जनपद की सभा में सीईओ द्वारा हमे 49 लाख रूपये की राशि बताई गई। जबकि 61 लाख रूपये की राशि पायी गई है। हमारे जनपद के सदस्यों के द्वारा विभिन्न विकास कार्यो के लिए जो पत्र लिखे गए थे। उन पर भी राशि जारी नहीं की गई। इस प्रकार से जनपद सीईओ के द्वारा जो भी राशि वितरित की गई वह पूरी तरीके से गलत एवं सारे सदस्यों के विरूद्ध दी गई है।

यत्र-तत्र-सर्वत्र प्लास्टिक का ही कचरा नजर आता है

बाजार में जितने भी प्रकार के दुकानदार है, सभी प्लास्टिक की थैलियां का उपयोग करते हैं। आजकल सभी सामान प्लास्टिक के पैकिंग में आता है और खुदरा व्यापारी भी अपने सामान को बांधनें के लिए प्लास्टिक की थेलियों का ही उपयोग करते हैं। कचरे के नाम पर जहां भी किसी भी ठीए पर नजर जाती है... बस ! यत्र-तत्र-सर्वत्र प्लास्टिक का ही कचरा नजर आता है।

-ऋतुराज बुड़ावनवाला खाचरौद (उज्जैन)

.महाशक्ति महिला मंडल की ओर से वस्त्रदान अभियान

दीपावली से पूर्व.राणापुर में मातशक्तियों ने.पूर्व की भाँति..इस वर्ष भी चलाया वस्त्र दान अभियान. ताकि . ग्रामीण अंचल और गरीब लोग .मना सके .दीपावली.गाँव से लेकर.छोटे छोटे फलियों में.सभी माताओ ने घर घर जाकर.बाँटी खुशियाँज रामपुरा .नाचन खेड़ा .ऐसे छोटे छोटे फलिये.जहां .बच्चे बूढ़े. स्त्री पुरुष.महाशक्ति टीम को देखकर.उत्साहित हो उठे..उनके चेहरे पर .उत्साह देखते बनता था! दोपहर से लेकर शाम .होने तक .भारी .भीड़ इकट्ठा हो गयी। प्रथम.महाशक्ति महिला मंडल टीम.जब बच्चों की बीच पहुँची.खिलौने और कपड़े देखकर.बच्चे उत्साहित हो उठे..महाशक्ति महिला मंडल .की टीम .जियो और जीने दो.के सिद्धांत को बढावा देती हैं! इसकी कार्यकारिणी टीम .उत्साह.और सशक्तिकरण को बढ़ावा देती..और मनावता.जीवो के प्रति.दयालुता को बढ़ावा देती है..इस टीम के सभी पदाधिकारी.बराबर.एक दूसरे को सहयोग देते हैं! और अपने लक्ष्य पर एकजुट होकर कार्य करते हैं! इस टीम के . नेतृत्वकर्ता . श्रीमती यशवी शाह ने.अपने उद्बोधन में .जीव हत्या पाप है .मांसाहार.और शराब .जुआ .इत्यादि की .हानि के बारे में .माताओं और बच्चों को शपथ दिलायी!.उनकी महिला टीम ने .उनको समर्थन दिया!मण्डल की आधारभूत शक्तियाँ श्रीमती रीमा महेंद्र ठाकुर जी.श्रीमती विनीता नाहर जी. श्रीमती सुनीता कटारिया.जी. श्रीमती रागिनी जी अग्रवाल ,श्रीमती नेहा जी नाहर, श्रीमती चेतना जी सकलेचा, श्रीमती सोनू जी सालेचा, श्रीमतीरेखा जी कटारिया, श्रीमती कनिष्का जीअग्रवाल, श्रीमती प्रीति जी सेठिया आदि सभी साथियों नेअपना पूरा सहयोग दिया महाशक्ति महिला मंडल.एकता की मिसाल देते हुए.समाज में बहुत तेज़ी से उभरकर सामने आ रही हैं!

कानूनविद महेश सोनी का आकस्मिक निधन

आष्टा। स्वर्णकार समाज की बौद्धिक हस्ती तथा सेवा निवृत्त जिला विधिक अधिकारी महेश चंद्र सोनी का अचानक ह्रदयाघात से निधन हो गया। लम्बे समय तक विधि व्यवसाय में संलग्न रहे

स्व. महेश चंद्र सोनी प्रदेश के अनेक जिलों में शासकीय विधिक अधिकारी के रूप में पदस्थ रहे। गुणवत्ता पूर्ण पैतृक व्यवसाय तथा दवा व्यवसाय के साथ ही वे परिवार की प्रतिष्ठा अनुरूप समाज सेवा में भी सक्रिय रहे। उनके आकस्मिक निधन से हर कोई हतप्रभ रह गया। शुक्रवार को उनकी अंत्येष्टि स्थानीय मोक्षधाम पर वैदिक रीतिरिवाज से हुई। उनके अनुज मनोहर पाँचम, पुत्र रूपेश सोनी, भतीजे संजीव पाँचम, रितेश पाँचम, पौत्र चिन्मय पाँचम ने मुखाग्नि दी। पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार, वरिष्ठ अधिवक्ता नगीन जैन, राधाकृष्ण धारवां, राजमल धारवां, अनोखीलाल खंडेलवाल, केमिस्ट अजित जैन, ललित नागौरी, ओम राय सीहोर , विजय देशलहरा, ओम प्रकाश सोनी, रिटायर्ड एस डी एम गणेश पी. सोनी, संजय बंट्ठ, राहुल सुराणा, संजय किला, सहित केमिस्ट एशोसिएशन के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिकों सहित सामाजिक बन्धुओं ने अंतिम यात्रा में शामिल हो कर दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित की।

दीपोत्सव पर होगा मां लक्ष्मी का होगा स्वागत, घर-घर आएंगे राम...

रंगोली से सजाएंगे घर-आंगन और द्वार, आतिशबाजी से जगमग होगा आसमान

सुसनेर, राष्ट्रीय जनभावना। दीपोत्सव के स्वागत में घर की साफ-सफाई के बाद शहरवासी सजावट में जुट गए हैं। कपड़े और आतिशबाजी के साथ ही घर की साज-सज्जा के लिए विभिन्न सामान खरीदा जा रहा है। साथ ही पर्व पर रंगोली से घर-आंगन सजाने की परम्परा के चलते पर नगर सहित ग्रामीण अंचल से आने वाले लोग बाजारों में विभिन्न गेरू सहित अन्य रंगों की भी खरीदारी कर रहे है। दीपोत्सव का यह त्योहार आतिशबाजी से जगमगा उठेगा। ज्योतिषविदों के मुताबिक रंगोली की अलग–अलग आकृतियां नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है। यह रंग संगमरमर पत्थर को पीसकर रंग बनाए जाते हैं। फिर इसमें रंग के साथ ही एसेंस भी मिलाया जाता है, ताकि

रंगोली बनाने के बाद सुंदर दिखने के साथ ही घर अलग-अलग खुश्बू से महक उठे। इसके लिए उनमें चंदन, गुलाब व केवड़ा आदि का अर्क मिलाया जाता है। रंगोली बनाने में इस्तेमाल होने वाली रंगों को बनाने की जयपुर में कई फैक्ट्रियां हैं। इस कारोबार से जुड़े व्यापारियों के मुताबिक इस बार दीपावली पर रंगोली बनाने के लिए शहर में 500 टन से अधिक अलग-अलग रंग बिकने का अनुमान है। इसके अलावा स्कैच, फ्रेम भी उपलब्ध हैं। खास तौर पर शुभ लाभ और हैप्पी दिवाली के स्कैच सबसे ज्यादा बिक रहे हैं। अपार्टमेंट सोसायटी के अलावा कई आफिसों, मंदिरों से अभी से ऑर्डर भेजे गए हैं। इसके अलावा दिल्ली, यूपी से भी ऑनलाइन आर्डर मिले हैं।

दीपावली पर ग्राहको को लुभाने सजा इलेक्ट्रानिक बाजार

नगर में दीपावली पर घर को सजाने के साथ नए सामान की खरीदी फरोख्त शुरू हो गई है। त्यौहार पर नया सामान खरीदने के लिए लोगो ने बाजार की ओर रूख करना शुरू कर दिया है। व्यापारीयो ने भी ग्राहको को लुभाने के लिए दुकानो को आकर्षक ढंग से सजाया है। बाजार में सबसे ज्यादा आकर्षक का केन्द्र इलेक्ट्रानिक्स बाजार बना हुआ है। इलेक्ट्रानिक्स दुकानो पर एलईडी, एलसीडी, फ्रीज, इंडक्शन कुकर, वाशिंग मशीन, मिक्सी के कई किफायती माडल, साउण्ड सिस्टम, स्पीकर का स्टॉक दुकानदारो ने कर रखा है। इन दिनो इलेक्ट्रानिक्स दुकानो पर शाम ढलते ही रोशनी की चकाचौंध एक साथ कई एलईडी पर अलग-अलग चैनलो का प्रसारण बाजार में निकलने वाले लोगो को आकर्षित करता है। नगर के पांच पुलिया क्षैत्र और हनुमान छत्री चौक पर सराफा बाजार में इलेक्ट्रानिक्स सामानो के शोरूम है। इन शोरूम्स पर ग्राहको की डिमांड के अनुसार हर सामान उपलब्ध है।

लगातार हो रही दुर्घटनाओं व सिंहस्थ को देखते हुए नागदा-उज्जैन के मध्य सडक को 5-5 फीट चौडीकरण किया जाए-पूर्व विधायक गुर्जर

नागदा जं. निप्र। उज्जैन-जावरा टु लेन मार्ग पर दुर्घटना में सैकडों लोगों की मृत्यु होकर सैकडों लोग घायल हुए है और ये सीलसीला लगातार जारी है इसकी रोक हेतू सडक के दोनो साईड 5-5 फीट चौडीकरण करने की तत्काल स्वीकृति देने की मांग मुख्यमंत्री मोहन यादव से पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर ने की है। शुक्रवार तडके बेडावन्या के पास दुर्घटना में 4 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है वही पूर्व में भी कई भीषण हादसें हो चुके है। उज्जैन-जावरा टु लेन रोड निर्माण के वर्ष 2013 से 2023 के मध्य एक हजार व्यक्तियों से भी ज्यादा दुर्घटना में मृत हो चुके है और सैकडों लोग घायल हो चुके है क्षेत्र के जनप्रतिनिधि लगातार फोरलेन सडक करने की मांग कर रहे है शासन द्वारा उज्जैन-जावरा के मध्य नये ग्रीनफिल्ड हाईवे मार्ग का निर्माण करने की घोषणा की है जिसमें अभी प्रक्रिया ही प्रारंभ हुई है इसका निर्माण वर्ष 2028 सिंहस्थ पूर्व तक ही हो पाएगा जब तक सैकडों लोग और दुर्घटनाओं के शिकार होगें। पूर्व विधायक गुर्जर ने बताया कि सिंहस्थ के समय जितनी सडके उज्जैन पहुंचने के लिए होगी उतने ही लोगो को सुविधा मिलेगी। ग्रीनफिल्ड हाईवे लम्बी दुरी से आने वाले भारी वाहन तथा फोर व्हीलर वाहनों के लिए उचित है परंतु नागदा एक रेल्वे का प्रमुख जंक्शन भी है जहां पर गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा अन्य प्रांतों से यात्रीगण नागदा जंक्शन आते है तथा सडक मार्ग से उज्जैन जाते है। उज्जैन-जावरा टु लेन रोड पर ट्रैक्टर, मोटर साईकिल, थ्री व्हीलर ऑटो, यात्री बस सभी इसी पुराने रूट से चलेगें जिससे यातायात का भारी दबाव होकर दुर्घटना की आशंका रहेगी इसलिए पुराने इस रोड को भी चौडीकरण किया जाना चाहिए यदि शासन उज्जैन-जावरा रोड को चौडीकरण नही करता है तो कम से कम नागदा-उज्जैन 55 किलोमीटर रोड के मध्य की रोड को 5-5 फीट दोनो साईड चौडीकरण की स्वीकृति प्रदान की जाएं जिससे कि लोगों को सुविधा होकर दुर्घटनाओं से राहत मिलेगी।

घर में घुसा ओवरलोड ईंट से भरा ट्रक, मलबे में तब्दील हुआ मकान

खरगोन (ई)। जिले में ओवरलोड ईंट से भरे ट्रक. डंपर की शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई नही होने से यह ओवरलोड अब हादसों का कारण बन रहे है। जिले के खंडवा. बडौदा हाईवे स्थित ग्राम ऊन में बीती रात एक सीमेंट से बनी ईंट से ओवरलोट ट्रक चारन बस्ती से गुजरते समय बेकाबू होकर बिजली के पोल से टकराने के बाद एक घर में जा घुसाए घर से टकराने के बाद ट्रक पलटकर रुकाए हादसे के समय घर में परिवार के सभी सदस्य मौजूद थेए हालांकि गनीमत रही कि किसी को कोई चोंट नही आईए जिससे बड़ा हादसा टल गया। ट्रक में सवार सभी को ग्रामीणों द्वारा बाहर निकाला गया। थाना प्रभारी गणपतसिंह कनेल ने बताया कि बुधवार रात 9.30 बजे बड़वानी से खरगोन जा रहा सीमेंट की ईंट से भरा ट्रक एमपी 09 एचएच 4892 अनियंत्रित होकर बिजली पोल तोडने् के बाद चारन बस्ती निवासी सुखलाल भालसे के घर को टक्कर मारने के बाद पलट गया। हादसे में पूरा घर क्षतिग्रस्त होकर मलबे में तब्दील हो गया। पुलिस ने मामले में जांच शुरु की है।

लायंस क्लब उज्जैन रॉयल ने दी स्नेह के बच्चों को उपहारों की सौगात

नागदा जं. निप्र। लायंस आफ नागदा की स्थायी परियोजना एवं देश की सर्वश्रेष्ठ संस्था के राष्ट्रीय पुरुस्कार से सम्मानित संस्था स्नेह के विशेष बच्चो को लायंस क्लब उज्जैन रॉयल के अध्यक्ष लायन विकास सिंह द्वारा 75 विशेष बच्चों को सार्थक दीपावली अभियान के तहत उपहार दिलवाए गए।

स्नेह संस्थापक डॉ. पंकज मारू ने बताया कि शुक्रवार को लायंस क्लब उज्जैन रॉयल के अध्यक्ष विकास सिंह द्वारा विशेष बच्चों को उज्जैन स्थित विशाल मेगा मार्ट का भ्रमण करवाया व उनकी पसंद के कपड़े, जूते, मिठाई एवं पटाखे दिलवाए गए। लायन विकास सिंह द्वारा दीपावली के अवसर पर दिव्यांग, एचआईवी पॉजिटिव, अनाथ एवं बेसहारा 1100 बच्चों को उपहार दीपावली के अवसर पर वितरित किये जा रहे है और यह क्रम विगत सात वर्षो से जारी है। इस आयोजन में श्रीमती प्रमिला सिंह, गर्वित सिंह और सुश्री प्रांजल का विशेष सहयोग रहा। उपहार प्राप्ति के पश्चात् बच्चों ने उज्जैन कलेक्टर कार्यालय जाकर कलेक्टर नीरज सिंह और जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती जयति सिंह को अपने हाथों से बनाए गए सुंदर कलात्मक दीपक भेंट किए। कलेक्टर सिंह ने बच्चों से दीपावली पर बच्चों को अपनी और से उपहार देने की इच्छा जाहिर कर बच्चों से उनकी पसंद जानना चाही, जिस पर बच्चों ने पटाखे की इच्छा व्यक्त की जिसे उन्होंने तुरंत मंगाकर बच्चों को भेंट किये। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त संचालक सतीश कुमार सोलंकी, स्नेह के उपनिदेशक महेश चन्द्र राठौर, सुनील गौतम, गुडिया शर्मा, सविता उपाध्याय, आशा नामदेव, हेमंत तलाज, शाहनवाज एवं गोवेर्धन भी मौजूद थे।

रांगोली प्रतियोगिता 30 अक्टुबर को

नागदा जं. निप्र। सामाजिक नारी संगठन के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली के पावन अवसर पर रांगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

संयोजक सीमा सारस्वत ने बताया कि 30 अक्टुबर रूप चतुर्दशी के दिन वार्ड नं. 16 के लिये पाल्या रोड एवं पटेल गली पर प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक अपने-अपने घरो पर रांगोली बनाना है। रांगोली का विषय ''जल बचाओ व पेड़ लगाओ'' पर्यावरण पर आधारित होगी। रांगोली में भगवान के चित्र मान्य नहीं होंगे। सभी को रांगोली पर टोकन नंबर अंकित करना होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु समिति द्वारा पुरस्कार वितरित किये जायेंगे। जिसमें प्रथम पुरस्कार पार्षद अंतिम मावर, द्वतीय पुरस्कार पूर्व पार्षद आशीष वोरा के द्वारा, तृतीय पुरस्कार सज्जन श्री आटो मोबाईल, चतुर्थ पुरस्कार रूपश्री सौन्दर्य के सहयोग से व ढेरो सांत्वना पुरस्कार वितरित किये जायेंगे। टोकन हेतु सीमा बिफोर, ममता पांचाल, सीमा सारस्वत से सम्पर्क करें। रांगोली की व्यवस्था नागेश्वरी पाल, माया लक्षण, राखी सेठीया, सरोज मकवाना, आशा पोरवाल, शकुन्तला मकवाना, मधु प्रजापत, नीता पोरवाल, विद्या अग्रवाल, राजकुमारी चौरसिया, रीतू अरोडा, किरण रघुवंशी, रीतू पाण्डेय, अन्नपूर्ण शर्मा, प्रेमलता परमार, जयश्री पांचाल, कविता शुक्ल, शीला पूरोहित ने दी है।

पेटलावद एसडीएम सुश्री तनुश्री मीणा (आईएएस) द्वारा शहर की पीडीएस दुकानो का ओचक निरीक्षण किया

पेटलावद। शहर में अक्टूबर माह का वितरण कम होने* पर आज अचानक एसडीएम महोदय पेटलावद द्वारा शहर में संचालित 04 उचित मूल्य दुकान का ओचक निरीक्षण करने पहुंची जैसे ही एसडीएम दुकान पर उपस्थित हुई विक्रेता सन्न रह गए। उपभोक्ताओं से खाद्यान्न प्राप्ति के संबंध में फीडबैक लिया गया। विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित उचित मूल्य दुकानो को शाम को 6ः00 बजे खुलवाकर दुकानों का भौतिक सत्यापन किया गया। दुकानों पर खाद्यान्न के कट्टे गेहूं एवं चावल अलग-अलग स्टेक में नहीं रखे होने पाए गए एवं कतारबंद पंक्ति में जमा नहीं मिले। मौके पर स्टॉक बोर्ड नहीं भरे जाने सैंपल नमूने नहीं रखे जाने और दूल्हाखेड़ी उचित मूल्य दुकान पर साफ सफाई नहीं होने पर विक्रेता प्रबधक पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए शनिवार को साफ सफाई करने हेतु निर्देशित किया गया।

। दुकान पर हितग्राहियों की केवाईसी वितरण और मोबाइल सीडिंग के बारे में जानकारी ली गई । विक्रेता ताराचंद राठौर को 30 तारीख तक ईकेवाईसी पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। 04 उचित मूल्य दुकानों के निरीक्षण में से तीन दुकानों पर स्टॉक संबंधी गंभीर अनियमितताएं पाए जाने और वितरण कम करने पर प्रकरण दर्ज कर विक्रेता एवं समिति प्रबंधक के विरुद्ध कार्रवाई हेतु सूचना पत्र जारी किया जा रहा है। एसडीएम के साथ निरीक्षण में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुरेश तोमर उपस्थित रहे।

राठौर विधायक डॉ. चौहान के निज सहायक बने

नागदा जं. निप्र। कलेक्टर जिला उज्जैन द्वारा विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान को लिपिकीय सुविधाऐं प्रदान करने हेतु योगेश राठौर सहायक ग्रेड-3 कृषि उपज मंडी नागदा को निज सहायक बनाया गया।

श्री राठौर स्व. श्री रामप्रसाद राठौर सहायक ग्रेड-3 मंडी कर्मचारी नागदा के पुत्र हैं। वर्ष 2010 से मंडी नागदा में पदस्थ हैं। मंडी में हर एक शाखा का कार्य करने में दक्ष हैं। मंडी नागदा में उत्कृष्ट कर्मचारी के रूप में सम्मानित हो चुके हैं। मंडी में कार्यरत हर कोई इनके कार्यो से संतुष्अ है। जिला कलेक्टर के आदेश के पालन में मंडी सचिव नागदा द्वारा योगेश राठौर को भारमुक्त किया गया। जिसमें मंडी के सभी कर्मचारियों, व्यापारियों, हम्माल-तुलावटियों द्वारा पुष्पमाला पहना कर राठौर का स्वागत किया जाकर नये कार्य करने की बधाई और शुभकामनाऐं दी गई।

खाद्य औषधि प्रशासन विभाग द्वारा आरटीआई के तहत निजी जानकारी बात कर रहा गुमराह

झाबुआ। खाद्य औषधि प्रशासन विभाग झाबुआ का आवेदक को आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी को निजी जानकारी बात कर रहा गुमराह और नियमों की उड़ा रहा धज्जियां, जिससे लगता है खाद्य औषधि प्रशासन विभाग झाबुआ निजी जानकारी बता कर कई राज छुपा कर दबाने मसगुल दिखाई दे रहा है, अब लोगों को लगने लगा है कि कही आईटीआई के तहत गई मांगी गई जानकारी मे कहीं विभाग की सांठगांठ तो नहीं है.? जिससे निजी जानकारी का हवाला देकर राज को राज रहने देने वाली बात पर आ खड़ा हुआ है.! आवेदक करता अब जाहीर गई जानकारी को मांगने के लिए मुख्यमंत्री से लेकर सीएम हेल्पलाइन तक करने की और शिकायत करने की बात कह रहा है।

निजी जानकारी बताते हुए देने से किया इनकार-खाद्य औषधि प्रशासन विभाग झाबुआ द्वारा मनमानी कार्यशैली की ऐसी कार्यप्रणाली देखने को मिली जिसमें आरटीआई के तहत आवेदक द्वारा ड्रग लाइसेंस से संबंधित संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी हेतु आवेदन देने बाद, विभाग द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया की जानकारी देने बजाय ड्रग विभाग के आला अधिकारी द्वारा, इसे निजी जानकारी बताते हुए देने से किया इनकार। जानकारी अनुसार झाबुआ के आवेदक द्वारा 18 सितंबर को खादय एवं औषधि प्रशासन विभाग से सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगी गई। जानकारी में आवेदक द्वारा नगर में कुल कितने मेडिकल स्टोर संचालित है तथा विभाग द्वारा ड्रग लाइसेंस जारी करने की संपूर्ण प्रक्रिया की सत्य प्रतिलिपि मय ड्रग लाइसेंस के मांगी गई। साथ ही ड्रग लाइसेंस प्रक्रिया के नियमों की प्रमाणित नियमावली हिंदी भाषा में मांग की गई । इस प्रकार आवेदक द्वारा कुल दो बिंदुओं पर, इस विभाग से जानकारी चाही गई। विभाग के आला अधिकारी द्वारा हस्तलिपि बिना आवक जावक के एक पत्र स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदक के हो पहुंचाया, जिसमें दर्शाया गया कि चूंकि यह जानकारी निजी है इसलिए आपको प्रदाय नहीं की जा सकती है।

जानकारी देने के बजाय किसी पुस्तक का हवाला दिया-साथ ही साथ दूसरे बिंदुओं पर जानकारी देने के बजाय किसी पुस्तक का हवाला दिया गया। इस प्रकार इस विभाग के खाद्य एवं औषधि विभाग द्वारा ड्रग लाइसेंस हेतु अपनी गई प्रक्रिया की सत्य प्रतिलिपि देने से इनकार कर दिया, जबकि आवेदक द्वारा किसी भी व्यवसाय की किसी भी तरह से निजी जानकारी नहीं मांगी गई थी, मात्र इस लाइसेंस प्रक्रिया में नियम अनुसार दी गई कागजी खानापूर्ति की प्रतिलिपि मांगी गई थी।

कई मेडिकल स्टोर पर बी-फार्मा किसी और के नाम का और उसका संचालन कोई और कर रहा-चूंकि आवेदक का कहना है कि नशे का कारोबार दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है जहां जिला प्रशासन और पुलिस विभाग इस नशे को कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं वहीं आवेदक का कहना है कि शहर के बाहरी क्षेत्र की कई मेडिकल स्टोर पर एविल के इंजेक्शन आदि नशीले पदार्थ का विक्रय हो रहा है तथा आवेदक का यह भी कहना है कि कई मेडिकल स्टोर पर बी-फार्मा किसी और के नाम का और उसका संचालन कोई और कर रहा है। जिससे इस आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में जानकारी की अभाव में गलत दवाई भी दी जा सकती है, इन्हीं उद्देश्यों को लेकर आवेदक द्वारा आरटीआई के तहत जानकारी मांगी गई, लेकिन विभाग के आला अधिकारी को यह समझ नहीं आया।

आलाधिकारी द्वारा जानकारी देने से किया जा रहा इनकार-इस तरह से विभाग की आलाधिकारी द्वारा सूचना के अधिकार के तहत जानकारी देने से इनकार किया जा रहा है, वही शासकीय प्रक्रिया में लगाए गए कागजी खानापूर्ति, किसी निजी जानकारी से संबंधित नहीं रखता है। इस विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर और मेडिकल स्टोर के निरीक्षण को लेकर भी कई बातें आमजनों में जनचर्चा का विषय बनती जा रही है विशेष रूप से ड्रग लाइसेंस प्रक्रिया को लेकर। आखिर क्या कारण है कि विभाग की आला अधिकारी ड्रग लाइसेंस प्रक्रिया की प्रतिलिपि देने से इनकार कर रही है जबकि अपनाई गई प्रक्रिया पूर्ण रूप से शासकीय है।

माध्यमिक विद्यालय रामगढ़ में छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण

सैलाना। आयोजित कार्यक्रम में 39 साइकिलों का वितरण जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से बद्रीलाल चौधरी जिला महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा पूर्व उपसरपंच, विक्रम सिंह चारेल विधायक प्रतिनिधि, रमेशचंद्र खराड़ी, सुखबीर सिंह चौधरी उप सरपंच ग्राम पंचायत रामगढ़ के मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि में किया गया। जिसमें 39 साइकिलों का वितरण अतिथियों द्वारा किया गया इसमें 14 बालिकाएं और 25 बालक शामिल थे सर्वप्रथम बालिकाओं को साइकिल वितरण की गई और उनका पुष्प माला से स्वागत भी किया गया साइकिले प्राप्त होने के समय छात्र-छात्राओं के चेहरे पर स्पष्ट खुशी झलक रही थी वितरण समारोह के पूर्व मां सरस्वती की तस्वीर पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया स्वागत भाषण रामचंद्र मईडा प्रधान अध्यापक ने दिया संचालन पंकज कुशवाहा ने किया माध्यमिक स्कूल के शिक्षक गण राहुल परिहार सुनीता राठौर प्रेमलता पालीवाल जगदीश पांचाल भेरू सिंह राठौड़ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री चौधरी ने कहा कि गरीब परिवारों के छात्र-छात्राओं को स्कूल आने की सुविधा के लिए मध्य प्रदेश सरकार की अभिनव योजना का लाभ लेकर छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर कर अपने परिवार तथा जिले का नाम रोशन करेंगे ऐसी हमारी ओर से अपेक्षा है आप लगातार साल में उपस्थित रहकर पढ़ाई करें कार्यक्रम को विधायक प्रतिनिधि विक्रम सिंह चारेल उपसरपंच सुखबीर सिंह चौधरी एवं रमेश चंद्र खराड़ी ने भी संबोधित किया आभार व्यक्त राहुल परिहार ने किया।

रतलाम आ सकते हैं सीएम डॉ. मोहन यादव : महालक्ष्मी मंदिर के करेंगे दर्शन, कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ देखी व्यवस्था

रतलाम। सीएम डॉ. मोहन यादव आगामी सप्ताह रतलाम आ सकते हैं। संभावना जताई जा रही है कि माणकचौक स्थित महालक्ष्मी मंदिर पहुंचकर सीएम दर्शन करेंगे। उनके संभावित दौरे को देखते हुए कलेक्टर राजेश बाथम ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ शनिवार सुबह महालक्ष्मी मंदिर पहुंचकर व्यवस्था देखीं। बता दें कि महालक्ष्मी मंदिर पर नोटों व आभूषणों से सजावट का कार्य जारी है। अब तक 70 लाख से अधिक कीमत के नोट मंदिर में सजावट के लिए आ चुके हैं।

सुबह कलेक्टर बाथम के साथ अपर कलेक्टर आरएस मंडलोई, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर, नाजिर भेरुलाल मालवीय महालक्ष्मी मंदिर पहुंचे। मां लक्ष्मी के दर्शन कर सजावट कार्य की तैयारियों का जायजा लिया। दीपावली पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसलिए आने-जाने वाले मार्ग को देखा। साथ ही अगर कोई वीआईपी आता है तो मंदिर में दर्शन के लिए वैकल्पिक मार्ग, पार्किंग समेत अन्य व्यवस्था भी देखी। अधिकारियों ने माणकचौक पुलिस थाना परिसर व थाने के सामने शासकीय उमावि स्कूल परिसर में जाकर पार्किंग की भी व्यवस्था देखी। बताया जा रहा है कि 30 अक्टूबर को मंदसौर में किसान सम्मान निधि वितरण का कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। कयास लगाए जा रहे हैं कि मंदसौर के बाद सीएम रतलाम आकर महालक्ष्मी मंदिर के दर्शन करेंगे। हालांकि अधिकारियों ने सीएम के दौरे की पुष्टि नहीं की है।

विभागीय एएनएम को नियमित टीकाकरण का दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया -डॉ. आनंद चंदेलकर

रतलाम। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आनंद चंदेलकर ने बताया कि 5 साल 7 बार छूटे ना टीका एक भी बार के मुख्य संदेश पर आधारित जिला स्तरीय टीकाकरण संपन्न किया गया। सीएमएचओ ने कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्र में शत प्रतिशत बच्चों को टीकाकृत करने हेतु निर्देशित किया। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर वर्षा कुरील के मार्गदर्शन में आशीष चौरसिया मीडिया अधिकारी, सैयद अली वीसीसीएम, विपिन शर्मा डाटा मैनेजर, निलेश चौहान वैक्सीन स्टोर कीपर, लोकेश वैष्णव मास्टर ट्रेनर आदि ने जिले के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को नियमित टीकाकरण के संबंध में टीकाकरण से बचाव हेतु बीमारियों, माईक्रोप्लान बनाने, कोल्ड चेन संधारण, बायोमेडिकल वेस्ट डिस्पोजल, सुरक्षित इंजेक्शन की विधियों, टीकाकरण सत्र का प्रबंधन, अनमोल एप्लीकेशन, टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभाव से बचने के उपाय, आपसी बातचीत के तरीकों आदि के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान टीकाकरण करने के सभी कौशल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और हैंड्स ऑन आधारित प्रशिक्षण प्रदान करते हुए कार्य आधारित प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद डॉक्टर वर्षा कुरील ने अनुरोध किया कि गर्भवती माताओं एवं अपने बच्चों को 5 वर्ष की आयु तक टीकाकरण अवश्य कराएं और 12 जानलेवा बीमारियों से बचाएं।

लायंस क्लब समर्पण द्वारा पीस पोस्टर प्रतियोगिता में 195 विद्यार्थियों ने लिया भाग

रतलाम। लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी 1 के अंतर्गत लायंस क्लब समर्पण द्वारा पीस पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन 26 अक्टूबर शनिवार को समता इंटरनेशनल स्कूल सद्यगोद रोड पर किया गया। जिसमें 11 से 13 वर्ष के 195 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय पीस विद आउट लिमिट पर बच्चों ने अपने विचारों को ड्राइंग शीट पर चित्रों के माध्यम से विश्व शांति का संदेश दिया। जिसमें प्रथम दिया शर्मा, द्वितीय आयुष चौहान, तृतीय हर्षित चौहान रहे। क्लब द्वारा प्रिंसिपल इफ्तार अहमद खान, तौसीफ और वाइस प्रिंसिपल चेतना चौहान, ड्राइंग टीचर मीनाक्षी टॉक, निर्णायक माही गुगलिया का सम्मान किया गया। लायन वीणा छाजेड के द्वारा बच्चों को फल वितरण किये गये। इस अवसर पर अध्यक्ष लायन अनीता झालीवाल, सचिव लायन सविता तिवारी, कोषाध्यक्ष लायन विनीता नागोरिया, एम जे एफ लायन वीणा छाजेड़, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन प्रेम पिरोदिया, लायन प्रेमलता दवे, लायन भारती उपाध्याय, लायन रीता अग्रवाल, निर्मला त्रिवेदी और स्कूल स्टाफ उपस्थित रहे। उक्त जानकारी क्लब अध्यक्ष अनीता झालीवाल ने दी।

नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस की एक और कार्यवाही

आलोट और जावरा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

रतलाम।

एसपी अमित कुमार के निर्देश पर पुलिस द्वारा नशे के कारोबार के खिलाफ जिले भर में चलाए जा रहे अभियान में जावरा और आलोट पुलिस ने बडी कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों से 70 किलो से ज्यादा अवैध डोडाचूरा और साढे चार सौ ग्राम अफीम जब्त की है।

पुलिस ने मादक पदार्थो की तस्करी में प्रयुक्त की जा रही एक कार और एक मोटर साइकिल भी जब्त की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिले के जावरा थाना प्रभारी मुनेन्द्र गौतम को मुखबिर से इस आशय की सूचना मिली थी कि एक बिना नम्बर की काले रंग की केटीएम बाइक से नशे का एक कारोबारी हरियाखेडा के पास से निकलने वाले निर्माणाधीन बायपास रोड से बरगढ फन्टा होते हुए उमठ पालिया की ओर जाने वाला है। उसके पास भारी मात्रा में मादक पदार्थ है।

सूचना के आधार पर थाने की विशेष टीम ने फौरन मुखबिर के बताए हुए स्थान पर घेराबन्दी की। कुछ ही देर में कालेरंग की बिना नम्बर वाली केटीएम बाइक पर आता हआ एक व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने जब उक्त व्यक्ति को रोक कर तलाशी ली तो उसके पास से करीब तीस हजार रु. कीमत का 450 ग्राम अवैध अफीम और 20 किलो दो सौ ग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद हुआ। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम असलम पिता उस्मान खां मेव नि.उमठपालिया बताया। पुलिस ने अवैध अफीम और डोडाचूरा के साथ तस्करी में प्रयुक्त की जा रही बाइक को भी जब्त किया है।

आरोपी असलम को न्यायालय के समक्ष पेश कर उसका पुलिस रिमाण्ड लिया गया है,जिससे कि उक्त मादक पदार्थो से जुडे अन्य आरोपियों को तलाश किया जा सके।

उधर आलोट पुलिस ने भी एक आरोपी के कब्जे से 51 किलो अवैध डोडाचूरा जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। आलोट पुलिस सूत्रों के मुताबिक आलोट थाना प्रभारी शंकरसिंह चौहान को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक कार से भारी मात्रा में अवैध डोडाचूरा का परिवहन किया जाना है। सूचना के आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने कच्चे रास्ते पर रेलवे पटरी के पास से जा रही सफेद रंग की कार को रोका। कार की तलाशी लेने पर उसमे प्लस्टिक के तीन बोरों में भर कर रखा गया एक लाख रु.मूल्य का कुल 51 किलो 480 ग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद हुआ।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम भमरसिंह पिता गिरधारी डामोर 30 निवासी थाना राजोद जिला धार बताया। पुलिस ने आरोपी भमरसिंह को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार करते हुए अवैध डोडाचूरा और करीब साढे चार लाख रु. मूल्य की कार भी जब्त कर ली है। आरोपी को न्यायालय में पेश करके उसका पुलिस रिमाण्ड लिया गया है। पुलिस आरोपी से पुछताछ में जुटी है कि वह उक्त डोडाचूरा कहां से लाया और किसे देने वाला था?

इनकी रही सराहनीय भूमिका

पुलिस को मिली इस सफलता में आलोट पुलिस थाने के निरीक्षक शंकर सिंह चौहान, सउनि अशोक चौहान, आर 549 राजेश चौधरी, आर 400 अभिनंदन, आर 241 अंकित काला प्र आर 26 कमलेश भंडारी, आर 604 कमल सिंह, आर 675 थॉमस भाभर और सैनिक 1088 शाहरुख का सराहनीय योगदान रहा। जबकि जावरा में हुई जब्ती में औद्योगिक क्षेत्र जावरा थाने के निरीक्षक मुनेन्द्र गौतम, उनि. राकेश मेहरा, उनि. आर.एस. सिसोदिया, सउनि जसराज चन्देल, प्र.आर. 52 संजय आंजना, प्र.आर. 786 विष्णु चन्द्रावत, प्र.आर. 482 महेन्द्र चौहान, प्र.आर. 78 हेमन्त लिम्बोदिया, आर. 252 मनोहर गायरी, आर. 517 दीपराज सिंह, आर. 683 रविन्द्र राठौर, आर. 144 योगेश राठौर, आर. 457 चेतन राठौर, आर. 109 रवि पाटीदार आदि की सराहनीय भूमिका रही।

अन्तर्राज्यीय शातिर वाहन चोर को पकड़ने मे मिली पुलिस को सफलता

रतलाम।

वाहन चोरी के मामले में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अंतर्राज्यीय शातिर वाहन चोर को पकड़कर उसके कब्जे से चोरी के 12 वाहन जप्त किए हैं। शातिर आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी अलग-अलग थानो में वाहन चोरी के 52 प्रकरण दर्ज है।

एसपी अमित कुमार ने आज वाहन चोरी के इस पूरे मामले का खुलासा किया। एसपी के द्वारा सभी थाना प्रभारीयो को जिले मे हो रही वाहन चोरियों पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारत्मय मे एएसपी राकेश खाखा और जावरा सीएसपी दुर्गेश आर्मो के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी जावरा शहर निरीक्षक जितेन्द्रसिंह जादौन ने सभी जगह वाहन चैकिंग लगाना शुरु की।

वाहन चैकिंग के दौरान अन्तर्राज्यीय शातिर वाहन चोर शुभम पिता लालसिंह डामोर निवासी ग्राम उमरिया थाना बाजना हा.मु.शिवगढ को पकडने मे सफलता मिली । जिससे थाना जावरा शहर कि अलग ङ्क अलग क्षैत्रो से चोरी की गई 04 मोटर सायकले एवं अन्य थानो क्षैत्रो थाना बामनिया जिला झाबुआ , थाना जीआरपी रतलाम , थाना कोतवाली मंदसौर , थाना स्टेशन रोड रतलाम एवं राजस्थान कि कुल 08 मोटर सायकले चोरी की जप्त कि गई।

ट्रेन से चोरी करने आता है आरोपी

पुलिस के अनुसार शुभम ने पुछताछ में बताया कि वह ट्रेन से स्टेशन पर उतरता है और रेलवे प्लेटफार्म के बाहर , बस स्टैण्ड ,सुनी कालोनीयो में मास्टर की का उपयोग कर एवं लाक तोडकर बाईक चोरी करना करता था । लोगो को सस्ते दामो मे यह कहकर बेच देता था कि गिरवी की गाडीया है।

आरोपी के विरुद्ध थाना स्टेशन रोड रतलाम, थाना सरवन, थाना जावरा सिटी, थाना कोतवाली मंदसौर, थाना माणकचौक रतलाम, थाना दिनदयाल नगर रतलाम ,थाना शिवगढ , जीआरपी रतलाम मे पुर्व से बाईक चोरी के 52 अपराध पंजीबद्ध है? आरोपी के कब्जे से मास्टर कि (्यश्वङ्ख) भी जप्त कि गई है । आरोपी को पुलिस रिमाण्ड मे लिया जा रहा है और भी वाहन जप्त होने कि सम्भावना है। एसपी अमित कुमार ने बताया कि आरोपी आदतन होने से आरोपी के पुराने प्रकरणो मे जमानत निरस्तीकरण कि कार्यवाही भी की जाएगी ।

आरोपी का आपराधिक रिकार्ड आरोपी शुभम के विरुद्ध विभिन्न थानों में बाइक चोरी के 52 अपराध पंजीबद्ध है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका = निरीक्षक जितेन्द्र सिह जादौन, उपनिरी प्रतापसिंह भदौरिया, उनि.रघुवीर जोशी, सउनि. रविन्द्र पुरोहित, राजु परिहार, मुकेश कुमार सोनगर, प्रआर.जाकिर खान, नवीन मैसी, मृदंग सातपुते, अजय दुबे, आरक्षक सुरेन्द्रपालसिंह, यशवन्त जाट, ललीतसिंह जगावत, रामप्रसाद मीणा,राधेश्याम चौहान, राजेश पंवार, अभय चौहान, जीवन विश्वकर्मा, विवेक शर्मा, अंतिम चौहान, सोनपाल, लक्ष्मण नागदा, नारायणसिंह तथा थाना शिवगढ के आरक्षक रवि चन्दल, थाना बाजना आरक्षक नरवर मईडा, प्रेमसिंह एवं सायबर सेल रतलाम की सराहनीय भूमिका रही है।

शहरी गरीबी उपशमन सामाजिक कल्याण प्रकोष्ठ समिति की बैठक संपन्न

रतलाम। महापौर प्रहलाद पटेल के निर्देशानुसार नगर निगम शहरी गरीबी उपषमन सामाजिक कल्याण प्रकोष्ठ सलाहकार समिति की बैठक समिति प्रभारी रामू भाई डाबी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आयोजित बैठक में संबल कार्ड बनाने तथा उनके लाभ की जानकारी दी गई तथा समूह ऋण के प्रकरण की समीक्षा कर हितग्राहियों से संपर्क करने की कार्ययोजना पर अनुशंसा की गई। आयोजित बैठक में समिति प्रभारी रामूभाई डाबी के अलावा समिति सदस्य धर्मेन्द्र रांका, रणजीत टांक, करण कैथवास, श्रीमती देवश्री पुरोहित, श्रीमती संगीता सोनी, श्रीमती आशा रावत, समिति सचिव जितेन्द्र राठौर आदि उपस्थित थे।

नगर के विभिन्न स्थानों से हटाया अस्थाई अतिक्रमण

रतलाम। अस्थाई अतिक्रमण को हटाये जाने की मुहिम के तहत निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट के निर्देशानुसार नगर के विभिन्न स्थानों पर कार्यवाही करते हुए अस्थाई अतिक्रमण को हटाये जाने के साथ ही संबंधितों पर जुर्माना भी किया गया। अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के तहत स्पॉट फाईन टीम व यातायात पुलिस द्वारा अमृत गार्डन से सैलाना बस स्टेंड तक अतिक्रमण मुहिम चलाकर सामान जप्त कर चलानी कार्यवाही की गई व सैलाना बस स्टेंड पर मोबाइल की शॉप संचालक को बाहर कर रखे अतिक्रमण को 26 अक्टूबर शनिवार तक हटाने की समझाईश दी गई एवं गौशाला रोड नवकार नमकीन को भी भट्टी हटाने के लिए 26 अक्टूबर शनिवार का समय दिया गया। चालानी कार्यवाही के तहत एंजल सैलून पर 2500, हीरो एक्सीलेंट व सोमनाथ नमकीन पर 1000-1000, निखिल टांक व राजेश बोरासी पर 500-500 तथा लस्सी सर्कल पर 250 रूपये का जुर्माना किया गया। इस अवसर पर दल प्रभारी राजेंद्र सिंह पवार के अलावा कृष्णा बैरागी, सुनील बैरागी एवं यातायात विभाग के प्रभारी एवं उनकी टीम उपस्थित थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मध्यप्रदेश के मंत्री चेतन्य काश्यप की सौजन्य भेंट

रतलाम। मध्य प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने राजधानी दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सौजन्य भेंट की। उन्होंने, श्री सिंह को मध्य प्रदेश में लघु उद्योगों के विकास से संबंधित जानकारी दी एवं मध्यप्रदेश को सैन्य निर्माण सामग्री की इकाइयों के लिए उपयुक्त स्थल होने से अवगत कराया।

खाद्य आपूर्ति अधिकारियों की टीम की छापामार कार्यवाही

खरगोन। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों द्वारा घरेलू उपयोग के गैस सिलेंडर का व्यवसायिक उपयोग रोकने के लिए सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 26 अक्टूबर को उपखंड बड़वाह अंतर्गत सनावद क्षेत्र के 07 होटल एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से 13 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री का बाजार मूल्य 28 हजार 600 रुपये हैं। इस दौरान टीम ने बजरंग होटल सनावद, अनिल लस्सी सनावद, बी.एम. स्वीट्स सनावद एवं वृषांक पैलेस एंड रेस्टोरेंट सनावद से 01-01, शर्मा जी चायनीज पॉइंट सनावद एवं मराठा दरबार रेस्टोरेंट सनावद से 02-02 तथा आनंदम रेस्टोरेंट बासवा से 05 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग करने वाले इन प्रतिष्ठानों के संचालकों के विरूद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम अधिनियम एवं अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस कार्यवाही में उपखंड बड़वाह अंतर्गत नायब तहसीलदार श्री दिलीप गंगराड़े, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री नरेंद्र सिंह, श्री शैलेंद्र खेडेकर उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने की गबन के प्रकरणों की वन टु वन समीक्षा गबन राशि की वसूली शख्ती से करने के दिये निर्देश

खरगोन। सहकारी संस्थाओं के गबन धोखाधड़ी के प्रकरणों की कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में उपायुक्त सहकारिता श्री अम्बरीष वैद्य के द्वारा विषयवार जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, पैक्स एवं अन्य सहकारी संस्थाओं के प्रकरणों की बिंदुवार जानकारी देते हुए बताया गया कि सहकारी बैंक के कुल 03 प्रकरणों राशि रू. 43.41 लाख के है।

जिनमें से 02 प्रकरणों में रू. 16.89 लाख की वसूली की जा चुकी है तथा रू. 33.78 लाख की वसूली शेष है इस हेतु म.प्र. सहकारी अधिनियम अतंर्गत डिकी प्राप्त की जा चुकी है 02 प्रकरणों में दोषियों की सेवा समाप्त की जा चुकी है। 01 प्रकरण में विभागीय जाँच प्रक्रियाधीन है। इस पर कलेक्टर श्री शर्मा द्वारा निर्देश दिये गये कि गबनकर्ताओं से गबन की शेष राशि की वसूली शख्ती के साथ की जायें। उनकी चल, अचल सम्पत्तियों की जानकारी प्राप्त की जाकर नियमानुसार समयबद्ध रूप से उनकी सम्पत्ति कुर्क कर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ बिकी करते हुए राशि की वसूली करें।

पैक्स संस्थाओं में गबन के 09 प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर के द्वारा उपायुक्त सहकारिता को निर्देश दिये गये कि सभी संस्थाओं में सहकारिता विभाग के अधिकारी ही संस्था प्रशासक के रूप में नियुक्त अतः गबनीत कर्मचारियों/ पदाधिकारियों के विरूद्ध सख्त प्रशासनिक एवं अपराधिक कार्यवाई की जावें। इस हेतु उनके विरूद्ध पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु पुलिस से समन्वय स्थापित करते हुए उन्हें वांछित दस्तावेज / साक्ष्य उपलब्ध कराये जायें।

अन्य संस्थाओं के गबन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए रू. 20 करोड की आर्थिक अनियमितता का अंवति सहकारी सूतमील सनावद के प्रकरण में अभी तक की कार्यवाई पर उनके असंतोष व्यक्त कर कहा गया कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के तत्कालीन अधिकारी / पदाधिकारियों के द्वारा निर्धारित मापदंडों के विपरीत ऋण स्वीकृत करने हेतु उनके विरूद्ध म.प्र. सहकारी अधिनियम अंतर्गत कार्यवाई किये जाने हेतु प्रस्ताव राज्य शासन को प्रेषित किया जावें तथा प्रकरण में लिप्त दोषि कर्मचारियों के विरूद्ध न्यूनतम दीर्घशासीत के दंड से दंडीत करने की कार्यवाई की जावें। बैंक प्रबंध संचालक पी.एस. धनवाल के द्वारा अवगत कराया गया कि अवंति सहकारी सूतमील में वर्तमान में बैंक प्रशासक नियुक्त है, किन्तु सूतमील की परिसम्पत्तियां विक्रय योग्य नहीं होने के कारण वसूली की कार्यवाई नही की जा पा रही है। इस कारण बैंक की लगभग रु. 98.00 करोड की राशि कालातीत बकाया शेष है। जिला उपभोक्ता भंडार खरगोन में आर्थिक अनियमितता के प्रकरण में उपायुक्त सहकारिता के द्वारा अगवत कराया गया कि दोषियों के विरूद्ध पुलिस प्रकरण पंजीबद्ध करा दिया गया है जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। राशि की वसूली हेतु रू. 7.19 करोड़ की सहकारी न्यायालय के द्वारा डिकी जारी कर दी गयी है जिसके निष्पादन की कार्यवाई की जारी है।

विचार प्रवाह

कैसे खत्म हो आपसी नफरत

ज्योत से ज्योत जलाते चलो प्रेम की गंगा बहाते चलो

यह कहना,लिखना, पढ़ना और व्यक्त करना कितना आसान है?जब जीवन में उतारने की बारी आती है तो अपने ही बनाए नियमों की धज्जियां उड़ा दी जाती हैं। हम भारतीय लोग हैं हमें अपनी संस्कृति का ध्वजवाहक और आगे बढ़ाने के लिए मसालवाहक बनना पड़ेगा। पहले हमारे गांव- देहातों में संयुक्त परिवार प्रणाली होती थीज। हम मिलजुलकर रक्षाबंधन, दीपावली, होली, दशहरा, ईद, मुहर्रम, लोहड़ी, पोंगल, दुर्गा पूजा मनाते थे। परिवार में बाबा,दादी, चाचा-चाची ताई,ताऊ,बुआ, बुआ के बेटे,बेटियां, मामा के बेटे बेटियां, मोहल्ला,पड़ोसी सब मिलकर त्यौहार में चार चाँद लगा देते थे। या यूँ कहा जाए हर रोज दिवाली ही सी मनती थी। घर के बुजुर्ग हमेशा अच्छी प्रेरणा देते थे। वे भले ही पढ़े लिखे न थे, या कम पढ़े लिखे थे,लेकिन जीवन की तमाम परिस्थितियों से लड़ने की क्षमता उनके अंदर कूट-कूट कर भरी थी। धीरे-धीरे हमारी इस संस्कृति को ग्रहण लगता गया और हमारे जीवन में मोबाइल रूपी कीड़े ने जन्म ले लिया। पहले एक गांव में एक फोन, सौ घर सौ फोन, फिर सौ घरों में सात सौ लोग सात सौ फोन, अब आलम यह है कि 700 सदस्यों पर 1000 फोन के चलन ने हमें अंदर से खोखला कर दिया है। इसने कम आय वाले परिवारों के लिए एक विकट समस्या खड़ी कर दी है। अगर गांव से औसतन मोबाइल खर्च निकाला जाए तो 20 लाख रुपए प्रतिवर्ष जो टेलीकॉम कंपनियों की जेबों में हमारे द्वारा जबरदस्ती ठूँसा जा रहा है। विश्व की बढ़ती जनसंख्या भी हमारे तनाव का मुख्य कारण बन रही है। अधिक जनसंख्या तो अधिक संसाधन,अधिक जेबखर्च, अधिक वाहन तो अधिक प्रदूषण, अधिक बेरोजगारी, अधिक काम का दबाव। सब की जड़ तो एक ही है। इसको देखते हुए हिंदी के युवा कवि प्रभात ने लिखा है... थे अकेले तो कुछ खा लेते थे जब चार हुए तो बहुत कुछ खाने लगे थे अकेले तो कुछ कमा लेते थे हुए चार तो बहुत कुछ कमाने लगे रूसो ने अपनी किताब सोशल कॉन्ट्रैक्ट में लिखा है ÷पहले सारा विश्व अमेरिका था,प्राचीन काल में जब राज्य,समाज की उत्पत्ति नहीं हुई थी, तो मनुष्य घने जंगलों में रहता था, नदियों, झरनों, झीलों का पानी पीता था। पेड़ों की छाल लपेटकर इधर-उधर तनाव मुक्त विचरण करता था। जब से विज्ञान और संस्कृति का विकास हुआ है मनुष्य क़ो हजारों चिताओं ने घेर कर बंदी बना लिया है और उसकी सुख शांति हमेशा के लिए काफूर कर दी है विज्ञान ने नए-नए अविष्कार करके भोली-भाली जनता को सौंप दिए हैंज। जैसे बंदर के हाथ में साम लगी तलवार। पहले फिरक,रब्बा,बैलगाड़ी से बीसों किलोमीटर की यात्रा धीरे-धीरे पूरी कर ली जाती थी। न डीजल का झंझट, न पेट्रोल, न सीएनजी। आज वही यात्राएं घंटे भर में पूरी करने के क्रम में रोड एक्सीडेंट बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। वाहनों की फौज हमारी जान पलक झपकते ही ले लेती हैं। जिससे घर,परिवार,समाज बिखरकर, दर-बदर की ठोकर खाता है।और घर के परिजन कंगाली की दहलीज पर खड़े होकर विलाप करते हैं। और जाने वाले कभी वापस नहीं लौटते। ऐसे में खेलते-कूदते, खाते-पीते परिवार, चिंता और तनाव के महासागर में डुबकियां लगाता एक सुख के किनारे की खोज में निरुद्देश्य भटकता रहता है। विवाह जैसे पवित्र संस्कार,बंधन को भी व्यापार का माध्यम बना दिया है। जिस दिन से घर में बेटी पैदा हो जाती है। उस दिन से पिता की नींद-चैन सब हराम हो जाती है। वह अनुचित-उचित साधनों से बेटियों के लिए दहेज का इंतजाम करने में जुट जाता है। और गरीब आदमी तो अपनी पीड़ा इन शब्दों में व्यक्त करता है... धिरिया जन्म तब दिओ विधाता, जब घर संपत्ति होई दहेज के दानव मुँह फैलाए ऐसे खड़े हैं जैसे -भूमंडल की सारी दृश्य और अदृश्य चीज निकल जाएंगे अगर हमें घर,परिवार,समाज रिश्तों, देश में आपसी प्रेम सौहार्द, सद्भाव, बनाना है तो कोई कहले-कोई सुन ले÷ को अपने जीवन में उतारना होगा। प्रति-उत्तर से नफरत के बिरवों का उन्मूलन नहीं होगा हमें सहनशील रहकर नफरत के बादलों को हमेशा के लिए हटाना होगा तब हम गर्व से कहेंगे...

सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा

हम बुलबुले हैं इसके यह गुलिस्तां हमारा

राजकुमार बघेल प्रभात अश्म
ग्राम - खिज़रपुर,पोस्ट बस्तर मऊ
जिला- कासगंज -उत्तर प्रदेश 207242

आत्मनिर्भर दिवाली धमाका मेला 2024 का सफल समापन

इंदौर, श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ़आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर में आयोजित दो दिवसीय आत्मनिर्भर दिवाली धमाका मेला 2024% का सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।मेले का शुभारंभ साक्षी निकाय के अध्यक्ष श्री अरविंद जी गुप्ता एवं सचिव श्री महेश जी चिमनानी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री अरविंद जी गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रेरणा देने का कार्य करते है एवं यह उद्यमी मेला आत्मनिर्भरता विकास की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। सचिव महेशजी चिमनानी ने कहा कि, यह आयोजन आज पुष्प नक्षत्र के अवसर पर किया जा रहा है जो एक शुभ संकेत है ।इससे छात्रों को व्यावसायिक अनुभव एवं हमारी भारतीय संस्कृति से परिचय करने का सुखद अवसर प्राप्त होगा ।÷संस्था के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी जी ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास हेतु उनका उत्साह वर्धन किया। इस दिवाली फन फेयर में विद्यार्थीयो द्वारा साजसज्जा,रंगोली,केंडल, मां लक्ष्मी छापे एवं फूड स्टॉल जिसमे इंदौरी भेल,पानीपुरी,दही चंदिया ,चॉकलेट,बेकरी आइटम कॉस्टड,आदि की स्टॉल लगाए।मंच पर गायन प्रतियोगिता भी हुई साथ ही रंगोली, मांडना एवं मधुबनी पेंटिग की प्रदर्शनी भी मेले में आकषर्ण का केंद्र रही। मेले के समापन पर उप सचिव श्री *शम्मी कपूर जी उपस्थित रहे।* कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार प्रो विभोर ऐरन, डॉ विकास बक्षी,डॉ राकेश उपाध्याय रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. वंदना मिश्र और डॉ अलका कछावा थी। मंच संचालन डॉ अंजु अग्रवाल एवं डॉ गायत्री पलोड द्वारा किया गया। आभार डॉ.ललित चौहान द्वारा माना गया।

ज्योतिषाचार्य योगेश शास्त्री जी ने बताया कि इस वर्ष के धनतेरस एवं दीपावली पूजन मुहूर्त, पूजन विधि:-

29 अक्टुबर मंगलवार को उत्तराफाल्गुनी और हस्त नक्षत्र और वैधृति योग में धनवंतरी जयंती धनतेरस

एवं 31 अक्टुबर 2024 गुरुवार को दीपावली पूजन के लिए दिन में 3 बजे से सायं 4:32 तक मीन लग्न में दुकानों का पूजन का शुभ मुहूर्त है। एवं रात्रि 6 बजे से 8:10 तक वृष लग्न में घर में श्री गणेश, माता महालक्ष्मी, इंद्र, कुबेर आदि की विशेष पूजन संपादित किया जाएगा। जबकि सिंह लग्न में माता महालक्ष्मी का विशेष पूजन रात्रि 12:30 से रात्रि शेष 3 बजे तक किया जाएगा। ध्यान रहे कि इस वर्ष 31 अक्टुबर गुरुवार को दिन के 3 बजे से अमावस्या प्रारंभ होकर अगले दिन दिनांक 1 नवंबर को सायं 5 बजे तक रहेगी। चुकी दीपावली पूजन के लिए सायं प्रदोष काल एवं रात्रि में अमावस्या का होना बहुत जरूरी है, जो 31 अक्टुबर गुरुवार को हीं मिल रही है। वहीं 1 नवंबर गुरुवार को अमावस्या सायं 5 बजे तक ही होने। 1 नवंबर को दीपावली पूजन का निषेध है। इस कारण इस वर्ष की दीपावली पूजन 31 अक्टुबर गुरुवार को ही किया जाएगा। 1 नवंबर को कदापि नहीं।

धनतेरस एवं दीपावली पूजन एवं खरीदारी मुहूर्त

।।प्रथम मुहूर्त।।

प्रथम मीन लग्न में, दोपहर 3 बजे से सायं 4:32 बजे तक दुकानों का पूजन एवं खरीदारी शुभ है!!

!!द्वितीय पूजन एवं खरीदारी मुहूत!!

वृष लग्न में, सायं 6 बजे से रात्रि 8:10 तक।।

।।तृतीय मुहूर्त।।

मिथुन लग्न शुभ में, मिथुन लग्न में, रात्रि 8:10 से रात्रि 10:30 तक।।

।।चतुर्थ एवं विशेष मुहूर्त।।

सिंह लग्न की पूजा रात्रि 12:30 बजे से रात्रि 3 बजे तक उत्तम होगा।

माता लक्ष्मी की विशेष पूजा धनतेरस से आरम्भ होकर 5 दिनों तक यानी भैया दूज तक करने का शास्त्र का आदेश है।

धनतेरस एवं दीपावली की पूजा का एक समान महत्व होता है। इसी दिन माता लक्ष्मी भक्तों के घर में पधार कर रुपयों से भरे तांबे के कलश में वर्ष भर के लिए निवास करती हैं। इस दिन लक्ष्मी, गणेश, धनवंतरि और कुबेर की पूजा की जाती है और धनतेरस के दिन माता लक्ष्मी की पूजन करने से धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती है।*

हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है, जो छोटी दिवाली से एक दिन पहले आता है। इस दिन माता लक्ष्मी के साथ भगवान धनवंतरि और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है और यह अत्यंत शुभ दिन माना जाता है!

इस दिन सोने, चांदी के आभूषण, अन्य धातु के बर्तन, झाड़ू, नमक, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, चल- अचल संपत्ति, टॉनिक औषधि आदि चीजें खरीदना शुभ माना जाता है। और इस नए झाड़ू से घर से घर साफ कर नमक से पोंछा लगा कर पूजन करने का विशेष महत्व है।

इस दिन पूजन के लिए कुंभ लग्न, वृष और मिथुन एवं सिंह लग्न का मुहूर्त सर्वोत्तम होगा।

दीपावली का सामान्य पूजन विधि:-

अपने सुविधा सामर्थ्य के अनुसार पूजन सामग्री तैयार कर आसन पर बैठकर आचमन, पवित्री, तिलक धारण, दिशा शुद्धि, दीप प्रज्वलन, स्वस्तिवाचन , संकल्प, गौरी गणेश पूजन कर कलश स्थापित करें, और कलश पर पुनः पँचदेवता, इंद्र कुबेर की नाम मन्त्र से पूजन करें। पुनः सामने छोटी चौकी या पीढ़ा पर एक पीतल के थाली में घी रोली सिंदूर से कर उसपर पान का पत्ता स्थापित करें और उस पर गणेश लक्ष्मी की मूर्ति या दो चांदी के सिक्के एक रुपया लिखा भाग ऊपर कर के दाएं बाएं में स्थापित करें और उस पर श्री गणेश और माता लक्ष्मी का नाम मन्त्र, मूल मन्त्र या श्री सूक्त मन्त्र से आवाहन स्थापन एवं यथा लब्ध उपचार पूजन करें। पुनः माता जी के सामने बटुआ अर्पण कर बटुवे में धनिया, हल्दी गांठ, कमलगट्टा, कौड़ी चित्ती, जायफल, जावित्री, द्रव्य रख कर माता जी को भेंट करें। और श्री गणेश जी के प्रसन्नता के लिए -

? गं गणपते वर वरद सर्व जनम् वशमानय स्वाहा।।

इस मंत्र का जप, एवं

संकट नाशन गणेश स्तोत्र, और गणेशअथर्वशीर्ष का पाठ करें।

साथ ही माता लक्ष्मी के प्रसन्नता के लिए -

।।? श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलाये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ? महालक्ष्मै नमः।।

इस मन्त्र का जप एवं कनकधारा तथा

श्रीसूक्त का पाठ करें।

इस प्रकार समस्त पूजन कर पुनः अग्नि स्थापन कर खीर मधु एवं अन्य द्रव्यों से गणेश एवं लक्ष्मी मंत्र से हवन कर श्री गणेश एवं माता लक्ष्मी जी की आरती करें। इस प्रकार पूर्ण प्रसन्नता के साथ सुख पूर्वक समस्त पूजन सम्पादित करें, पुनः साथ ही सभी दरवाजों पर स्वस्तिक बना कर दीप जलावें।

एवं

जितना हो सके लक्ष्मी गणेश के मंत्रों का पाठ व जप करें।

इस वर्ष धनतेरस को रात्रि 7:40 से हस्त नक्षत्र में और दीपावली को चित्रा में, सम्पूर्ण दिन रात्रि एवं रात्रि 1 बजे से स्वाती नक्षत्र में व्याप्त रहेगा। अतः इस वर्ष धनतेरस एवं दीपावली के दिन व रात्रि का पूजन एवं खरीदारी अत्यंत शुभ रहेगा।

जबकि घर के लिए इस वर्ष दिन एवं प्रदोष काल का मिलन समय दिन में 5 बजे से सायं 6 बजे तक का समय भी सर्वोत्तम रहेगा। जो व्यवसाय और दुकान के लिए अत्यंत शुभ है।

प्रदोष काल गृहस्थ के लिए अपने घर की पूजा के लिए सर्वाधिक उपयुक्त रहेगा।

प्रदोष काल अर्थात- दिन और रात्रि का संयोग काल।

*इस समय घर के कुल देवी देवता के साथ दरवाजे पर स्वस्तिक , अल्पना तोरण , केले का थम्भ स्वागत पुष्प सजा दीप जला कर माता लक्ष्मी का स्वागत एवं पूजन करना प्रसंशनीय होगा। माता लक्ष्मी श्री गणेश सरस्वती के साथ सबके घर एवं हृदय मे निवास करें।

इस वर्ष प्रदोष काल के मिलन में वृष लग्न का समय रात्रि 6 बजे से 8:30 बजे तक का समय एवं रात्रि में सिंह लग्न रात्रि 12ः30 बजे से 3 बजे भोर तक का समय सर्वोत्तम रहेगा। जो अत्यंत शुभ है।

प्रदोष काल गृहस्थ के लिए अपने घर की पूजा के लिए सर्वाधिक उपयुक्त रहेगा। *प्रदोष काल अर्थात- दिन और रात्रि का संयोग काल।

इस समय घर के कुल देवी देवता के साथ दरवाजे पर स्वस्तिक , अल्पना तोरण , केले का थम्भ स्वागत पुष्प सजा दीप जला कर माता लक्ष्मी का स्वागत एवं पूजन करना प्रसंशनीय होगा।

ज्योतिषाचार्य योगेश शास्त्री
संपर्क सूत्र:-
9569179700
पता:- 13-14 आर एन टी मार्ग मधुमिलन चौराहा दवाबाजार इंदौर

सरोकार साझा मंच

इंदौर सरोकार साझा मंच की मासिक - अक्टूबर माह का आयोजन साहित्यकार - आलोचक, कवि -आचार्य स्व. डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय (1925_2008) की स्मृति में आयोजित हुआ। आरम्भ में डॉ.मनोरमा पांडे ने पिताश्री के लेखन, योगदान और उनके साहित्यिक कृतियों का उल्लेख किया। उनकी कविताओं के अंश का उदाहरण देते हुए उनकी गंभीर और विवेचनात्मक शैली का परिचय दिया। मंच की सदस्यों ने डॉ. उपाध्याय की कुछ कविताओं का पाठ किया। सरला मेहता, डॉ. अर्चना त्रिवेदी, आशा मुंशी,काजल मजुमदार, निरुपमा त्रिवेदी, आरती सोमानी,डॉ.मंजु गुप्ता, डॉ. विद्या पाराशर, डॉ. निरुपमा नागर, शची श्रीवास्तव, मालती सिसोदिया, राजेश्वरी सिसोदिया, गायत्री ठाकुर , और शीला बड़ोदिया ने मधुर स्वर में उनकी कवितायेँ और गज़लें प्रस्तुत कर उन्हें याद किया। संयोजक महिमा शुक्ला ने पिताश्री की स्मृतियाँ साझा करते हुए उनके जीवन संघर्ष, दृष्टिकोण और लेखन यात्रा का विवरण दिया। हिन्दी साहित्य के अध्ययन, शोध, और लेखन में उनके योगदान का परिचय दिया। इसके साथ ही उनकी अंतिम कविता का पाठ भी किया। डॉ. अर्चना त्रिवेदी ने हिन्दी के मूर्धन्य साहित्यकारों के स्मृति में आगे भी ऐसे कार्यक्रमों की श्रृंखला बढ़ाने का सुझाव दिया।

एक शाम रफी साहब के नाम

इंदौर शहर में रफी सा. के दिवानों में एक नाम आता है शशिकांत शिंदे का जी कि शिंदे म्यूजिकल ग्रुप के निर्देशक है आपने रफी साहब की याद में कार्यक्रम का आयोजन रोबोट चौराहा फनी म्यूजिकल ग्रुपके स्टूडियो में शानदार तरीके से किया, जिसमें शिंदे जी ने ओ दुनिया की रखवाले, कौन है जो सपनो में आया, इक न इकदिन ये कहानी बनेगी- आने से उसके आये बहार जैसे कई एक से बढ़कर कालजयी गीतों की प्रस्तुती दी. साथ ही श्री आरएन बोरासी- चंदर सिंह परमार, नरेन्द्र कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियाँ दी ऐकरींग में शहर के मशहूर एंकर गोवींद दुबे ने कार्यक्रम की बहुत ही शानदार तरीके से शब्दों की लड़ीयों में पिरोकर पेश किया.

आएगा,आएगा,आएगा...आने वाला

इंदौर(डॉ जावेद अहमद ख़ान) जक्षा उत्कर्ष संगीत संस्था मराठी समाज इंदूर संग मिलकर वर्षों से संगीत कार्यक्रम आयोजित करती है,जिसे छायागीत नाम और क्रम दिया जाता है।आगामी छायागीत 81वा जो 27 ऑक्टोबर को आयोजित होगा।संस्था वर्षों से मो.रफ़ी अवॉर्ड अब तक बीस और कुछ समय से लतामंगेशकर अवॉर्ड दे रही है तीसरा अवॉर्ड शहर की ख्यातनाम गायिका सौ.सपना भाटे केकरे को देने की घोषणा की गयी है। उत्कर्ष एक मात्र ऐसी संस्था रही है जो अपने सदस्यों के लिए 31 जुलाई के अलावा कई सुरुचिपूर्ण कॉन्सेप्ट कार्यक्रम आयोजित करती है।जिसमें अकॉस्टिक वाद्धो के अलावा बुलबुल तरंग(जापानी बैंजो) संग नगण्य इलैक्ट्रोनिक वाद्धो का इस्तेमाल किया जाता है,संस्था के प्रमुख श्री प्रकाश खानवलकर के संगीत संयोजन में बहुधा श्रीमती मेघमाला खानवलकर का संचालन होता है राग आधारित गीतों को तरजीह देते हुए क़व्वाली समयबद्ध कार्यक्रम और राष्ट्रगान के अलावा लंबे समय से संस्था से जुड़े माननीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विशिष्ठ आतिथ्य में दिया जाएगा देखने में आया है केवल संस्था ही अपने कार्यक्रम और सदस्यों के बूते माई मंगेशकर हाल को पूरा हाउसफुल कराने का दम रखती है।

इंदौर में संगीत जानने समझने वालों के लिए सपना केकरे का नाम किसी परिचय का मोहताज नही है।शहर के सांगीतिक चरित्र और स्वभाव को जीती सपना केकरे स्कूली फुलवारी से निकल प्रदेश और देश में अपने कॉलेज की संगीत स्पर्धाओं में शहर का नाम रोशन करना शुरू कर दिया था। सात वर्ष की उम्र से पंडित माधवराव जोशी से शास्त्रीय संगीत की शिक्षा प्रारम्भ हुई जो विदुषी डॉक्टर नीलिमा छापेकर एवं पंडित स्वतंत्र कुमार ओझा के सानिध्य में और निखरी कई शिष्यों को जिनमें कई सर्जन ,डॉक्टर,इंजीनियर ,रिटायर्ड अधिकारी और गृहणियों तक को संगीत की बारीकियां सिखा मंच देने वाली सपना संगीत में एम् ए, एम् फिल यूनिवर्सिटी में टॉपर रही 7 ये तालीम याफ़्ता गायिका खुद आजतक संगीत सीखने का सिलसिला अब तक जारी रखे है। अपने सीखने वालों के लिए संस्था स्वर निनाद का बाक़ायदा नया मंच तैयार कर रखा है । ज़ौनल व नेशनल यूथ फ़ेस्टिवल में विश्विद्यालय का प्रतिनिधित्व ज़ी टीवी के टॉप रेटिंग पॉपुलर शो सारेगामा, अन्ताक्षरी की विनर रह चुकी है सारेगामा अंत्याक्षरी के अलावा मुंबई, वाराणसी, जबलपुर, नागपुर, अमरावती, कुरूक्षेत्र, कोट्टायम-केरल आदि शहरों में किया और सिल्वर व गोल्ड मैडल हासिल किये । भारतीय विश्वविद्यालयिन संघ द्वारा आयोजित म्यूजिक एंड डांस फ़ैस्टिवल में सम्पूर्ण भारत से चयनित होकर कुल्लू मनाली में संगीत प्रस्तुतियां दी 7 सपना ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन की बी हाई ग्रेड कलाकार है अम्बिकापुर, भागलपुर, जगदलपुर, जोधपुर शहरों में सपना ने आकाशवाणी कॉन्सर्टस में भी प्रस्तुतियां दी है। अभी हाल ही में लंदन का सफ़ल दौरा करके लौटी हैं। सन 2010 में सपना ने संस्था स्वरदा की स्थापना की जो आज इंदौर शहर की जानी मानी संस्था है ..एकला चालो रे के सिद्धांत पर चलते हुए भी सपना ने कई कलाकारों को मंच पर आने का मौका दिया जिनमें न सिर्फ़ गायन बल्कि साहित्य,मीडिया और नाटकों तक के कलाकारों को अपने बैनर तले मौका दे मंच संचालन की एक नयी पौध तैय्यार कर दी। अपने सीखने वालों के लिए बाक़ायदा संस्तोथा कोरोना काल एवं लॉक डाउन के समय कलाकारों की हर संभव वे मदद के लिए हमेशा तत्पर रही है कलाकारों के पारिवारिक परिदृश्य में भी उनकी सहृदयता की बातें होती हैं। एक ऐसी कलाकार जिसे शहर में जब उसकी ज़रूरत हो याद किया जाता है और वो बिला तकल्लुफ़ उन्हें दस्तयाब हो जाती हैं।के फॉर किशोर फैम रॉक सिंगर चिंतन बाकीवाला का शो हो या इंदौर का ग्रैंड रैज़ल-डैज़ल देव जोशी का ज़ीनत अमान लाइव शो या इसके अलावा किसी समूह/व्यक्ति कैलाश कलिंकर अभिनव कला समाज के अग्निहोत्री परिवार के सदस्यों संग ग़ज़ल या संगीत के कार्यक्रम या संस्था उत्कर्ष में भी कई प्रस्तुतियां।कई संगीतकारों जैसे ख़य्याम, चित्रगुप्त,सचिनदेव बर्मन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल,राहुलदेव बर्मन, शंकर जयकिशन जैसे संगीतकारों के काम को अपनी गायकी से नुमायां करने वाली सपना कुछ पारिवारिक कारणों से संगीतकार मदनमोहन को जिस शिद्दत से याद करती हैं कि न सिर्फ़ उनकी वेबसाइट बल्कि उनके परिवार तक से उनकी रसाई हैं। सोनू निगम, गीतकार इंदीवर, सोनिक ओमी, हृदयनाथ मंगेशकर, रवि दाते, सुरेश वाडकर जैसी हस्तियों ने सपना के गायन को खूब सराहा है । इंदौर में प्रसिद्ध वरिष्ठ मराठी संगीतकार राम कदम के सुपुत्र विजय कदम के संग इंदौर के टाउनहॉल/गाँधी में शरदपूर्णिमा पर उनका यादगार कंसर्ट लोगों के ज़ेहन में आज भी महफ़ूज़ है। संगीत समीक्षक और समग्र लता जैसे ग्रंथ के रचयिता अजातशत्रु उनमें लता ही कि आवाज़ की गम्माज़ी सुनते है,इंदौर के ही एक और संगीत समीक्षक कहते हैं साठ के दशक की लतागायन सपना की अदायगी को हूबहू मानते हैं। लता दीनानाथ मंगेशकर ग्रामोफ़ोन रेकॉर्ड संग्रहालय के सुमन चौरसिया लगातार उन्हीं संग सालों से लता जन्मदिवस मनाते रहें हैं जिसके लिए आभार और शुभकामनांए फ़ोन पर लगातार स्वयं लता जी से मिलती रहीं हैं। लता के नाम से इस अवॉर्ड के लिए इंदौरी लता को उनके सारे चाहने वाले सोशल मीडिया पर दिल से बधाई और शुभकामनांए प्रेषित कर रहें हैं ।

उनका कहना बिल्कुल सच साबित हो रहा है कि - संगीत बेचैन रूह को तसल्ली बख्शने का काम करता है वक्त के साथ ज़माना और इंसान बदलते रहे मगर संगीत का जादू बरकरार रहता है।

आने वाले वर्षों में उनके कई नए उपक्रम संगीत के क्षेत्र में उनके नाम और काम को दमकाएंगें कभी बशीर बद्र ने कहा था /गले में उसके खुदा की अजीब बरकत है/वो बोलता है तो इक रोशनी सी होती है ...

“एक्ट्रेस बनना है तो विद्या बालन जैसी बनना

रियलिटी शो 'सारेगामापा' का नया सीज़न शुरू हो चुका है, और इस बार शो में नए मेंटर्स - टैलेंटेड जोड़ी सचिन-जिगर, जोश से भरे सचेत-परंपरा, और बहुमुखी गुरु रंधावा की टीम है। विद्या बालन और चार्मिंग कार्तिक आर्यन शो में मेहमान बनकर आएंगे। इसी दौरान एक भावुक पल में, परंपरा ने बताया कि उनकी मां विद्या बालन की बहुत बड़ी फैन हैं और अक्सर उनसे कहा करती थीं कि अगर कभी उन्हें एक्ट्रेस बनना हो, तो विद्या बालन जैसी बनना चाहिए। इस खास मौके पर विद्या ने भी सचेत-परंपरा को एक प्यारा सा सरप्राइज़ दिया, जो जल्दी माता-पिता बनने वाले हैं।

अक्षय कुमार ने रैप सॉन्ग से किया आश्चर्यचकित

अक्षय कुमार सिर्फ फिटनेस को बढ़ावा नहीं दे रहे हैं - बल्कि वे अब गाना गाकर लोगों में अवेयरनेस फैला रहे हैं ! नवीनतम डाबर हनी विज्ञापन में, बॉलीवुड सुपरस्टार स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में एक रैप सांग गाया है. उन्होंने स्वस्थ जीवन शैली के प्रति अपने समर्पण को बिल्कुल नए तरीके से प्रदर्शित करता है।विज्ञापन में, अक्षय न केवल शहद के लाभों के बारे में बताते हैं, बल्कि अभियान में एक नया और मजेदार मोड़ जोड़ते हुए, अपनी आवाज से संदेश को जीवंत करते हैं। यह कदम इस बात पर प्रकाश डालता है कि अक्षय वास्तव में उन स्वस्थ विकल्पों का प्रतीक हैं जिन्हें वह बढ़ावा देते हैं, जिससे एक बार फिर साबित होता है कि वह जो उपदेश देते हैं उसका अभ्यास करते हैं।

आमिर की हो रही है सिनेमैटिक यूनिवर्स में एंट्री ?

आमिर खान के फैंस के लिए एक और सरप्राइज है, क्योंकि सोर्सेज से जानकारी मिल रही है कि वह अपने अगले प्रोजेक्ट के साथ लोकेश कनगराज की सिनेमैटिक यूनिवर्स में शामिल होने वाले हैं।एक इंडिपेंडेंट इंडस्ट्री सोर्सेज ने खुलासा किया है कि, आमिर खान अपनी अगली फिल्म के साथ लोकेश कनगराज की दुनिया में एंटर करने जा रहे हैं। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के ये दो दिग्गज एक साथ आ रहे हैं, और यह देखने वाली अगली बड़ी बात होने वाली होगी।

सेक्स स्टैंड-अप कॉमेडी का विषय नहीं है

अभिनेता अन्नू कपूर ने सेक्सुअल वेलनेस ब्रांड ड्यूरेक्स के एक विज्ञापन में काम किया, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा का विषय बना। इस ऐड का मजाक उड़ाने वाले लोगों के जवाब में अन्नू ने एक बेबाक प्रतिक्रिया दी है। अन्नू कपूर के इस ऐड ने सोशल मीडिया पर हलचल मचाई, जिसके चलते उन्हें कई प्रतिक्रियाओं का सामना करना पड़ा। इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अन्नू ने कहा, मैं खुद को भाग्यशाली और धन्य महसूस करता हूं कि वे मुझे पसंद करते हैं और मेरा सम्मान करते हैं। मैं जल्द ही 70 साल का होने वाला हूं, और इस उम्र में मुझे और क्या चाहिए? मैं सचमुच उनसे आग्रह करता हूं कि वे सेक्स के दौरान सुरक्षा बरतें। उन्होंने सेक्स को एक वरदान और पवित्रता का प्रतीक बताते हुए कहा, यह स्टैंड-अप कॉमेडी का विषय नहीं है। हम सभी अपने माता-पिता के यौन संबंधों का परिणाम हैं। परमात्मा द्वारा दिया गया एक अनुपम वरदान है।

आयुष्मती ने किया ग्रामीण परिवार को प्रेरित

जब मुझे पता चला कि यूपी के एक ग्रामीण इलाके में एक परिवार ने अपनी बहू की शिक्षा पूरी करने का फैसला किया है, तो मुझे बेहद खुशी हुई..., कहती हैं अभिनेत्री कशिका कपूर अपनी फिल्म आयुष्मती गीता मैट्रिक पास पर कशिका कपूर की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म आयुष्मती गीता मैट्रिक पास ने दर्शकों पर गहरा असर छोड़ा है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहां बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान से जुड़े संदेश ने लोगों के दिलों को छू लिया है। यह फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जो शिक्षा से जुड़े मुद्दों और लड़कियों की शिक्षा के महत्व पर रोशनी डालती है। एक विशेष कहानी उत्तर प्रदेश के एक ग्रामीण इलाके से सामने आई, जहां एक परिवार ने फिल्म देखने के बाद महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता के महत्व को समझा। उस परिवार ने अपनी बहू को वापस कॉलेज भेजने का फैसला किया ताकि वह अपनी अधूरी पढ़ाई पूरी कर सके।

अभिनेत्री यामी गौतम ने वापसी की

मां बनने के खूबसूरत अहसास के बाद अभिनेत्री यामी गौतम काम पर लौट आई हैं। एक्ट्रेस ने अपने खूबसूरत लुक के साथ एक शानदार फोटो शेयर की। तस्वीरों में उन्हें लाल रंग के सूट में देखा जा सकता है, जिसके साथ उन्होंने मैचिंग दुपट्टा लिया हुआ है। अपनी नेचुरल ब्यूटी को दिखाते हुए यामी ने मिनिमल मेकअप लुक चुना। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है। एक दूसरी फोटो में उन्हें मेकअप करते हुए देखा जा सकता है। यामी ने अपने लुक को सिल्वर इयररिंग्स के साथ कंप्लीट किया। पोस्ट को कैप्शन देते हुए अभिनेत्री ने लिखा, काम पर वापस लौट रही हूं। इस शानदार इवेंट के लिए टीम का शुक्रिया। काम की बात करें तो यामी ने 2008 में टी

मैंने मराठी और गुजराती में बोलने की कोशिश की

गुम है किसी के प्यार में के हितेश भारद्वाज उर्फ रजत बताते हैं, । मैंने मराठी और गुजराती बोलने की कोशिश की; ये मुश्किल था, लेकिन तैयारी करने से, मैं असली लगने लगा। जब आप दो भाषाएँ बोलते हैं, तो उस पर पकड़ होनी चाहिए, और मैं इसे रियलिस्टिक टच देना चाहता था। जीवन एक दिल की धड़कन की तरह है; इसमें उतार-चढ़ाव होंगे, लेकिन जब यह एक सीधी रेखा बन जाती है, तो चीजें खत्म हो जाती हैं।

'चेकमेट' धोखे और सस्पेंस से भरी कहानी

हंगामा इस दिवाली के मौके पर दर्शकों के लिए अपनी नई ओरिजनल हिंदी सीरीज 'चेकमेट' रिलीज करने जा रहा है। सीरीज में न्यारा बनर्जी अहम भूमिका निभाने जा रही हैं और उनके साथ अन्य कलाकारों में शालीन मल्होत्रा, रोहित खण्डेलवाल, राहुल जगताप और आफ़रीन अल्वी हैं। इस सीरीज की कहानी में रहस्य, भावनाप्रधान दृश्य और हैरतअंगेज मोड़ हैं ।चेकमेट एक सामान्य हाउसवाइफ की कहानी है और इस किरदार को न्यारा बनर्जी ने निभाया है। इस किरदार को एक पुलिस अधिकारी मानव तस्करी से बचाता है और बाद में वह इस अधिकारी से ही शादी कर लेती है। यह अधिकारी ईमानदार है या नहीं यह एक राज है। शादी के बाद वह एक ऐसी दुनिया में कैद हो जाती है जहां उसे पति की हर बात मानना है और चुप रहना है। उसे बड़ा धक्का तब लगता है जब उसे पता चलता है कि उसका पति उसे जान से मारने की साजिश रच रहा है। खुद को बचाने की कोशिश में वह अपने पति को मार देती है। जब वह घर लौटती है तो पाती है कि उसकी ज़िंदगी पूरी तरह उलट-पलट गई है। एक नया व्यक्ति जिसे वह जानती तक नहीं है अब वह खुद को उसका पति बता रहा है।

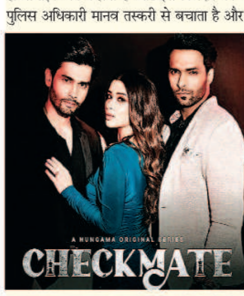

उर्मिला और मोहसिन का रिश्ता टूटने के कगार पर

उर्मिला मातोंडकर और उनके पति मोहसिन अख्तर का रिश्ता टूटने के कगार पर है। यह कपल शादी के आठ साल बाद तलाक लेने की योजना बना रहा है। तलाक की खबरों के बीच, उर्मिला मातोंडकर को 21 अक्टूबर को एक इवेंट में पहली बार पब्लिक प्लेस पर देखा गया। इस दौरान उन्होंने पर्पल लॉन्ग स्कर्ट पहनी थी, जिसे गोल्डन ब्लाउज और स्टडेड जैकेट के साथ स्टाइल किया था। उर्मिला इस मौके पर अपनी शादी की अंगूठी नहीं पहनने के लिए चर्चा में रही, लेकिन उन्होंने वहां मौजूद मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। सूत्रों के अनुसार, उर्मिला ने लगभग पांच महीने पहले तलाक के लिए अर्जी दी थी। पिछले कुछ समय से, दोनों अलग रह रहे हैं और एक साथ नहीं रह रहे हैं। हालांकि, दोनों के अलग होने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि यह तलाक आपसी सहमति से नहीं हो रहा है। सूत्र ने कहा, सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, उर्मिला ने मोहसिन अख्तर के साथ अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया है। वह पहले ही कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल कर चुकी हैं। हालांकि, अलग होने के पीछे का कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन यह म्यूच्युल नहीं है।

सुपरनैचुरल शोज रोमांचित करते हैं

शो 10:29 की आख़िरी दस्तक में बिंदु का रहस्यमयी किरदार निभा रहीं आयुषी भावे ने बताया कि एक सुपरनैचुरल थ्रिलर का हिस्सा होना पारंपरिक धारावाहिकों से बिल्कुल अलग और एक तरोताजा करने वाला अनुभव है, जिससे इसका हर सीन भरपूर रोमांच और उत्साह से भरा होता है। अभिनेत्री आयुषी भावे कहती हैं, सुपरनैचुरल थ्रिलर में काम करना मानो एक नई दुनिया में कदम रखने जैसा है। जहाँ साधारण शोज़ की कहानी अक्सर एक ही ट्रैक पर चलती हैं, वहीं 10:29 की आख़िरी दस्तक के हर एपिसोड में एक नया ट्विस्ट होता है। इस तरह की कहानियों में रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती, यह सब हमारी कल्पनाओं पर निर्भर करता है कि हम इसे कितनी दूर तक ले जा सकते हैं। विजुअल इफेक्ट्स से लेकर रहस्यमय माहौल तक, सब कुछ बिल्कुल अलग महसूस होता है और यही इसे बहुत रोमांचक बना देता है।

कार्तिक आर्यन ने गिफ्ट किया गजरा ?

शो सा रे गा मा पा में एक बेहद प्यारा पल देखने को मिलेगा, जब कार्तिक आर्यन, कंटेस्टेंट पार्वती को खूबसूरत गजरा गिफ्ट करते नजर आएंगे। कार्तिक ने न सिर्फ उन्हें यह शानदार फूलों का गजरा भेंट किया, बल्कि अपने हाथों से बड़े प्यार से उसे पार्वती के बालों में सजाया।कार्तिक ने इस खूबसूरत लम्हे के बारे में बताते हुए कहा, ये आइडिया मुझे रास्ते में आया, जब विद्या मैम ने कहा कि उन्हें गजरा चाहिए। मैंने देखा है कि आप हमेशा गजरा पहनती हैं, तो मैंने खास तौर पर आपके लिए ये गजरा लाया। मैंने इसे प्रोफेशनल तरीके से सेट किया है और ये पहली बार है जब मैंने किसी के बालों में गजरा सजाया है!

सच्चे आइकन को सलाम - आर.के. लक्ष्मण सर!

महान चित्रकार और कार्टूनिस्ट आर.के. लक्ष्मण की 103वीं जयंती पर बॉलीवुड सुपरस्टार आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम पर उनकी गहरी प्रशंसा व्यक्त की। आर.के. लक्ष्मण के कार्यों ने देशभर में कई लोगों के मन पर गहरी छाप छोड़ी, जिनमें खुराना भी शामिल हैं। आर.के. लक्ष्मण को श्रद्धांजलि देते हुए आयुष्मान ने लिखा, हमारे समय के एक सच्चे आइकन को सलाम - आर.के. लक्ष्मण सर! किसी ने भी आम आदमी का जश्न आप जैसा नहीं मनाया। लाखों भारतीयों को आवाज देने के लिए धन्यवाद... आपने मुझे भी प्रेरित किया है।आर.के. लक्ष्मण ने हमेशा अपने काम के माध्यम से उन लोगों को आवाज़ देने का प्रयास किया, जिनकी आवाज अक्सर नहीं सुनी जाती। उनके द्वारा चित्रित कॉमन मैन की कहानियों में तीखा हास्य और गहन संवेदनशीलता थी, जो हर आयु वर्ग के दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाती थी। महान कार्टूनिस्ट के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, आर.के. लक्ष्मण सर एक सच्चे भारतीय आइकन हैं जिन्होंने अपने अद्वितीय कार्यों से आम आदमी का प्रतिनिधित्व किया।

राग दरबारी

प्रजातंत्र के दोमुंही सांप

आज बहुत लेट हो गए,फोन भी नहीं किया। चिंतित हो रहा था!÷

प्रसाद देते हुए बोला, पहले आप मुंह मीठा करलें गुरुदेव।÷

किस खुशी में मंगू मिठाई चखते हुए पूछा।

ब्रह्म मुहूर्त में घर के ईशान कोण में दोमुंही के दर्शन हुए,उसी का यह प्रसाद है।

इसके दर्शन का लाभ

मास्टरजी! आप कहोगे मंगू तो ज्ञान बांटने लगा परन्तु मैं बताना चाहूंगा कि दोमुही सेंड बोआ सांप कहलाता है जिसके दर्शन भाग्यशाली को ही मिलते हैं। इसके दर्शन मात्र से आयु वृद्धि,धन-धान्य, ज्ञान, बुद्धि , बल,वैभव में वृद्धि, आर्थिक, धार्मिक अंततः आध्यात्मिक विकास के साथ शिव दर्शन का पुण्य प्राप्त होता है। इस प्राणी की तस्करी भी? होती है ?। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत डेढ़ करोड़ से कम नहीं है, क्योंकि यह पावर वृद्धि, सौंदर्य प्रसाधन के साथ-साथ तंत्र-मंत्र में काम आता है। तांत्रिक इसके माध्यम से तंत्र-मंत्र जागृत करते हैं इसलिए इसका सबसे बड़ा उपयोग राजनीतिक क्षेत्र में देखा गया है।

राजनीतिक क्षेत्र में इसका क्या लाभ है मंगू?

इसके दर्शन एवं पूजन करने से मनुष्य राजनीति में सितारों के समान चमक उठता है जिसका जीता जागता उदाहरण हमारे बड़े भैया के साथ उनकी जी हजूरी वाले मंत्री संत्री भी हैं जो रंक से राउ बने बैठे हैं।

सृष्टि में प्राणी एक मुखी होता है। बहुमुखी तो देवता सुने हैं पर देखा उन्हें भी नहीं, फिर यह द्वि मुखी कैसे?

चलो मैं इस तरह समझता हूं; पंच से लेकर प्रधान तक के राजनैतिक पैदावार सभी दो मुंह वाले होते हैं जो एक मुंह से कहते हैं यानी बकते हैं और उसी को दूसरे मुंह से चाट लेते हैं। जब इस प्राणी को कोई खतरा होता है तो दुश्मन पर पूंछ फटकारता है जो दूसरे मुंह का आभास कराता है। इसलिए दोमुंही कहलाता है परन्तु यह नेताओं की तरह झांसा नहीं देता इसलिए नेता यानी राजनीतिज्ञ दानव श्रेणी में और यह देवता की श्रेणी में गिना जाता है।

यह काटता भी है

नहीं! यह ज़हरीला नहीं होता शांत स्वभाव का होता है, जबकि नेता बिना जहर के भी जहरीले सांप की तरह विषधर होते हैं, वे जिस पत्तल में खाते हैं उसी में छेद भी कर जाते हैं । इनका काटा बच नहीं सकता। जोंक की तरह शोषक हैं ये, इनका पेट कभी नहीं भरता।

तुम्हारे पास कोई प्रमाण है जो दोमुंही से तुलना किए जा रहे हो।

जनता अंधी है उसे वही दिखता है जो नेता दिखाता है। बड़े बड़े बांध, पुल, चिकनी सड़कें। सभी सिनेमा हॉल में चल रहे चलचित्रों की भांति, धरातल पर नजारा कुछ अलग ही मिलेगा। एक प्रदेश के प्रधान ने तो उनके समय की सड़कों की तुलना तो हेमा-मालिनी के गालों से कर दी। आए दिन सड़कों की तथाकथित चिकनाई से चारपहिया टिक ही नहीं पाते, धड़ाम से गहरी खाई में, पुल बरसात के हवाले, शासकीय राशन व्यापारियों की गोदाम में, नल के पाइप बिछे हैं पर पानी नदारद, विरोधी जेल में या श्मशान में।

मंगू! ये सब करिश्मा दोमुंहे देव का है तुम्हे क्या फलित हुआ देव दर्शन से दोषी ये मंत्री संत्री अकेले नहीं, हम ही इन्हें खुद को लूटने को प्रेरित करते हैं नोट के बदले वोट देकर।

मुझे दोमुंही से जंतर मंतर सिद्ध हो गए। कोई भी सरकार हो मेरे दोमुंही के दर्शन बिना टिक नहीं सकती। उन्हें मेरे पास आना ही पड़ेगा। कारण दोमुंही रूपी दोगलों की फौज है अपने रामजी के पास। ये सब आपका प्रताप है मास्टर जी।

मेरे मंगू! तेरे जैसे कितने दलाल घूम रहे हैं जिनका धंधा ही लूट-खसोट के तंत्र मंत्र बताना है तभी तो लोकतंत्र बनाम भीड़ तंत्र जिंदा है। बड़े प्रधान कितना लगाएंगे नारा ...न खाऊंगा न खाने दूंगा, यही नारा तो आज के राजनीतिज्ञों का सुरक्षा कवच बना हुआ है।

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित
ग्वालियर

कटाक्ष

आजादी के सूरज की डूबती भोर है

चमन को स्वयं लूट लिया
चमन की बहारों ने
किया देश को बदनाम कुर्सी
के चाटुकारों ने

भारत माता के खातिर खाई
जिसने गोलियां
मां को आजाद कराने शहीद
हुई थी टोलियां

भारत मां को बेड़िया पहनाने
तैयार है
मीरजाफर जयचंद जैसे यहां
गद्दार है

नाव को डुबोया है नाव के ही
मल्हारों ने
चमन को स्वयं लूट लिया
चमन की बहारों ने

कहीं भाषा कहीं धर्म मज़हब
के होते दंगे
कुर्सी के खातिर हुये देखिये
कितने नंगे

रिश्वत भ्रष्टाचार %औ%
बेईमानों का जोर है
आजादी के सूरज की डुबती
हुई भोर है

सत्य को दफना दिया झूठ की
दीवारों ने
चमन को स्वयं लूट लिया
चमन की बहारों ने

वीरों की ये भूमि क्यों हुई वीरों
से खाली
क्यों सूख गई है देश भक्ति की
वो हरी डाली

फिर से सुभाष और आजाद
हमको अब चाहिए
देश का बाग संवार दे ऐसा
माली चाहिए

आम जैसा देश को चूसा
रिश्वत खोरों ने
चमन को स्वयं लूट लिया
चमन की बहारों ने

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा (म.प्र.) 457226, जिला रतलाम
मो. 9479662215

विजयपुर उपचुनाव में आदिवासी वोटर गेम चेंजर

कांग्रेस के गढ़ में भाजपा प्रत्याशी बन सेंध लगा पाएंगे रावत?

इंदौर। प्रदेश में 13 नवंबर को श्योपुर जिले की विजयपुर और सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा सीटों के उपचुनावों में मतदान होने वाला है। भाजपा-कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों का चयन करते समय जातीय समीकरणों पर विशेष ध्यान दिया है। भाजपा ने कांग्रेस से पार्टी आए छह बार के विधायक रामनिवास रावत को मैदान में उतारा है। वहीं, कांग्रेस ने इस सीट पर आदिवासी नेता मुकेश मल्होत्रा को टिकट दिया है। इस सीट पर आदिवासी वोटर निर्णायक हो सकते हैं।

कांग्रेस ने इसी वजह से एक आदिवासी नेता पर भरोसा जताया है। विजयपुर विधानसभा सीट के लिए दोनों ही प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल कर दिया है। लोकसभा चुनावों से ठीक पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए रामनिवास रावत अब प्रदेश सरकार में वन मंत्री हैं। उनके भाजपा में आने का फायदा पार्टी को लोकसभा चुनावों में मिला भी था। ऐसे में अब कांग्रेस ने आदिवासी नेता के तौर पर मल्होत्रा को टिकट देकर भाजपा के सामने एक चुनौती पेश की है। भाजपा इस सीट को अपने पास रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुद ही चुनाव प्रचार की बागड़ोर अपने हाथ में ली। वह खुद विजयपुर गए और रावत का नामांकन भरवाया।

विजयपुर विधानसभा में 2 लाख 55 हजार मतदाता हैं। इनमें से करीब 65 हजार यानी 20त्न से अधिक मतदाता आदिवासी समुदाय से आते हैं। जाटव मतदाता भी 40 हजार के करीब हैं। कुशवाह और धाकड़ समाज से 25-25 हजार वोटर हैं। इन चार समाजों के करीब डेढ़ लाख मतदाता ही किसी भी उम्मीदवार की जीत-हार तय करते हैं। विजयपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का परिणाम प्रमुख रूप से आदिवासी, जाटव, कुशवाह और धाकड़ समाज के वोटरों पर ही तय होगा।

कांग्रेस का गढ़ रहा है विजयपुर

श्योपुर की विजयपुर सीट कांग्रेस का गढ़ रही है। 1990 से 2023 तक कांग्रेस के टिकट पर रामनिवास रावत ने यहां चुनाव लड़ा और छह बार जीत का परचम फहराया। 2003 से शुरू हुई भाजपा की लहर के बाद भी वे अपना गढ़ कायम रख सके। पिछले साल हुए चुनावों में भी उन्होंने आसान जीत दर्ज की थी।

इसके अलावा जिले की श्योपुर सीट पर भी कांग्रेस के बाबू जंडेल ने 11 हजार वोट से जीत हासिल की थी। रावत के दलबदल करने से भाजपा का पलड़ा भारी जरूर हुआ है और उपचुनाव उनके इस पार्टी बदलने के फैसले पर जनमत संग्रह जैसा ही परिणाम देगा।

कांग्रेस नेताओं ने झोंकी ताकत

कांग्रेस ने भी विजयपुर सीट पर कब्जा कायम रखने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस नेता नीटू सिरकवार समेत कई नेता लगातार डटे हुए हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़े मुकेश मल्होत्रा को आदिवासी समाज का साथ मिलने का दावा किया जा रहा है। मल्होत्रा ने निर्दलीय रहते हुए भी 44 हजार वोट हासिल किए थे। बसपा ने 34 हजार वोट लिए थे और उपचुनाव में पार्टी का उम्मीदवार नहीं है। आदिवासी और अनुसूचित जाति वोटरों का पलड़ा जिधर जाएगा, उसकी जीत तय बताई जा रही है।

वन ग्राम को राजस्व ग्राम बनाने का एलान

विजयपुर में रामनिवास रावत के नामांकन भरने के दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा दांव खेला है। उन्होंने महिला वोटरों के साथ ही आदिवासी वोटरों को साधने के लिए बड़ी घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा था कि उपचुनाव के बाद लाडली बहना योजना में रह गई महिलाओं को जोड़ा जाएगा। साथ ही पेसा मोबिलाइजर का वेतन दोगुना करने और वन ग्राम को राजस्व ग्राम बनाने की घोषणा भी की गई है।

दीपावली के पहले नरेला विधानसभा में शुरू हुआ विशेष सफाई अभियान

मंत्री श्री सारंग की अभिनव पहल, घर की सफाई साज-सज्जा जैसे मोहल्ले-कॉलोनी को भी स्वच्छ करने का प्रयास

भोपालर, राष्ट्रीय जनभावना। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने दीपावली के पहले नरेला क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं कटर मशीन से घास काटकर झाड़ू लगाकर इसका शुभारंभ किया। श्री सारंग ने कहा कि इस अभिनव पहल से सफाई मित्रों के साथ नागरिक और कार्यकर्ता भी जुड़ेंगे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में आज एक वृहद सफाई अभियान का शुभारंभ किया गया है। दीपावली के पहले सभी तरह की सुविधाओ के सुचारू संचालन के अभियान की यह शुरुआत है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से दीपावली पर हम घर की साफ सफाई साज सज्जा करते हैं उसी प्रकार मोहल्ले और कॉलोनी को साफ स्वच्छ बनाने के लिए इस वृहद अभियान की शुरुआत की जा रही है। इसमें नाले नाली की सफाई, सीवरेज समस्या को दूर करना, रोड की मरम्मत, बंद स्ट्रीट लाइट जलाना आदि काम भी किए जाएंगे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सैकड़ो की संख्या में लोग इसमें भागीदारी करेंगे। नागरिक और कार्यकर्ता भी इसमें सहभागी बनेंगे। इस अभियान में पार्क और महापुरुषों की प्रतिमाओं को भी स्वच्छ किया जाएगा। पब्लिक यूटिलिटी वाले सामुदायिक शौचालय की भी सभी व्यवस्थाएं सुचारू सुनिश्चित हो इसका भी ध्यान रखा जाएगा। शनिवार को वार्ड क्रमांक 36, 39, 44 एवं वार्ड क्रमांक 79 में दीपावली पर्व के पूर्व स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें प्रत्येक वार्ड को स्वच्छ करने के साथ साथ स्ट्रीट लाइट, डिवाइडरों की सफाई/पुताई, शौचालयों की सफाई पार्कों की सफाई के साथ सीवेज संबंधी समस्याओं का एक साथ निराकरण व्यापक रूप से किया गया । शुभारंभ के अवसर पर एमआईसी सदस्य अशोक वाणी, टीना यादव अपर आयुक्त नगर निगम भोपाल प्रभारी नरेला विधानसभा, देवेंद्र सिंह चौहान अपर आयुक्त नगर निगम भोपाल एवं समस्त पार्षदगण नरेला विधानसभा मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्वच्छता के लिए सभी तरह के उपकरण मशीनरी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि पूरे प्लान के साथ एक-एक वार्ड का ध्यान रखते हुए कार्य किया जा रहा है। दीपावली पर पूरा क्षेत्र जगमग हो, इसकी पूरी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि हर दिन 5-5 वार्ड में बृहद रूप से सफाई की जाएगी।

1 जनवरी को 18 साल हो रही उम्र, तो मतदाता बनने करें आवेदन

इंदौर। ऐसे युवा, जो 1 जनवरी 2025 को 18 साल की आयु पूरी करने जा रहे हैं, वे मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन कर सकते हैं। नये मतदाताओं का वोटर आईडी कार्ड स्पीड पोस्ट के जरिये आसानी से उनके घर तक पहुंच जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिये विस्तृत कार्यक्रम जारी किया गया है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जुड़ी गतिविधियों के तय कार्यक्रम के अनुसार इकजाई प्रारूप में मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 29 अक्टूबर को किया जायेगा।

29 अक्टूबर को मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशन, अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी को किया जाएगा

ये महत्वपूर्ण तारीखें

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दावे-आपत्तियां 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक प्राप्त की जायेंगी। पुनरीक्षण के संबंध में 9 एवं 10 नवम्बर तथा 16 एवं 17 नवम्बर को विशेष शिविर आयोजित किये जायेंगे। दावे-आपत्तियों का निराकरण 24 दिसम्बर तक होगा। एक जनवरी 2025 तक मतदाता सूची के डेटाबेस को अपडेट कर मुद्रण किया जायेगा। 6 जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा।

ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों प्रकार से जुड़वाए जा सकते हैं नाम

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार की निशुल्क सुविधाएं प्रदान की गई हैं। ऑनलाइन आवेदन वोटर हेल्पलाइन एप और ढ्ढह्लह्लश्चह्य-//1शह्लद्गह्म्ह्य.द्गष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ/ के माध्यम से किया जा सकता है। ऑफलाइन आवेदन के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से संपर्क किया जा सकता है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के संबंध में किसी शंका या जानकारी के लिये निर्वाचन हेल्पलाईन के टोल फ्री नं.- 1950 में कार्यालयीन समय पर काल करके समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

पिछले 10 सालों में इस साल लेट हुई अफीम नीति

ज्यादा देरी हुई तो उत्पादन होगा प्रभावित

इंदौर। पिछले 10 सालों में पहली बार ऐसा हुआ है कि 25 अक्टूबर बीत जाने के बाद भी नई अफीम नीति की घोषणा नहीं हो पाई है। पिछले साल 13 सितंबर को ही अफीम नीति की घोषणा हो गई थी तब प्रदेश में विधानसभा चुनाव थे। पिछले 10 वर्षों की अफीम नीति की तारीख और माह को देखें तो 2024 में अफीम नीति में सबसे ज्यादा देरी हो रही है। वहीं 2013 में सबसे पहले अफीम नीति की घोषणा की गई थी।

जिले मे 35 हजार से अधिक अफीम उत्पादक किसान हैं। अफीम की फसल के लिए किसानों ने अपने खेत तक तैयार कर लिए हैं। बस अफीम नीति का इंतजार है। इस बार किसानों को पुराने निरस्त हुए पट्टे भी बहाल होने की उम्मीद है। हालांकि किसान सीपीएस पद्धति से खुश नहीं है। सूत्र बताते है कि इस बार पिछले वर्षों में कम औसत से निरस्त हुए पट्टे फिर से बहाल हो सकते हैं।

देरी से उत्पादन पर प्रभाव

अफीम नीति में देरी से बोवनी में देरी होती है। इससे अफीम फसल के उत्पादन पर प्रभाव पड़ता है। अफीम आने की स्थिति में गर्मी बढने के साथ अफीम का उत्पादन घटने के अलावा इस पर रोगों का प्रकोप भी बढ़ता है, साथ ही सीपीएस वाले पट्टेधारियों को भी अधिक नुकसान होता है। इससे पट्टे कटने की स्थिति बनती है। किसानों को खेतों पर निगरानी करनी पड़ती है और कीटनाशक का खर्च भी अधिक वहन करना पड़ता है। मावठे की स्थिति में और भी नुकसान होता है।

10 वर्षों में कब-कब आई अफीम नीति

पिछले 10 वर्षों की अफीम नीति के घोषणा की बात करें तो अब तक 2023 में सबसे पहले अफीम नीति की घोषणा हुई। वर्ष 2014 में 22 सितंबर तो वर्ष 2015 में 5 अक्टूबर को अफीम नीति का नोटिफिकेशन जारी हुआ।

वहीं 2016 में 20 अक्टूबर, 2017 में 18 अक्टूबर, 2018 में 28 सितंबर, 2019 में 1 अक्टूबर, 2020 में 21 अक्टूबर, 2022 में 28 सितंबर और पिछले वर्ष 2023 को इन दस वर्षों में सबसे पहले 13 सितंबर को अफीम नीति की घोषणा की गई थी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड,
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com